दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-4 अंक-296 भोपाल, मंगलवार 7 सितंबर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-3 रुपए

आज का सुविचार

मनुष्य का पतन कार्य की अधिकता से नहीं वरन कार्य की अनियमतता से होता है।
- अज्ञात

पंचांग

भाद्रपद कृष्णा पंचमी, मंगलवार
विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:04/6:32
वर्षा/बादल %	8 %
नमी %	90 %
वायु (किमी/घं.)	6
तापमान प्रात:/रात्रि (डिग्री से.)	31°/24°

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तोला

₹ 48,920

शेयर सूचकांक

बीएसई	58296.91	+166.96
निफ्टी	17377.80	+54.20

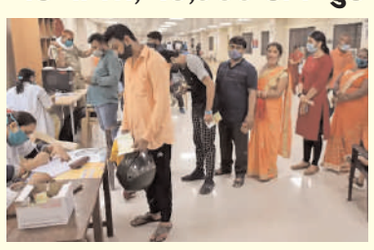

गोरखपुर में बाढ़ की तबाही : 23 साल की सबसे भीषण बाढ़ से 354 गांव 15 दिन से पानी में डूबे हैं, ढाई लाख लोगों ने छोड़ा घर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी नई दिल्ली

गोरखपुर में बाढ़ कहर बरपा रही है। यहां 15 दिन से 7 तहसीलों के 354 गांव बाढ़ में डूबे हुए हैं। इससे ढाई लाख की आबादी पलायन करने को मजबूर हो गए। सबसे ज्यादा तबाही सदर तहसील में है। यहां 76 मोहल्ले बाढ़ से घिरे हुए हैं। करीब 50 हजार हेक्टेयर फसल बर्बाद हो गई है। झंगहा और चौरीचौरा में दो रिंग बांध और दो तटबंध टूट चुके हैं। इससे गोरखपुर-सोनौली हाईवे, गोरखपुर-वाराणसी हाईवे, गोरखपुर-खजनी हाईवे बंद है। हाईवे पर पानी भरा हुआ है। वाहनों को दूसरे रास्तों से भेजा जा रहा है।35 गांवों की बिजली काट दी गई है। यहां

प्रशासन ने बाढ़ में फंसे 72 लोगों को रेस्क्यू किया है। हालात बहुत ज्यादा भयावह हैं। लोगों का कहना है कि बाढ़ से ऐसी बर्बादी 23 साल पहले 1998 में देखने को मिली थी। तब 14 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए थे। दैनिक भास्कर ने गोरखपुर में बाढ़ की विभीषिका को ड्रोन से कैद किया, हर तरफ सैलाब नजर आया।

1998 में टूटे थे 13 बांध, डूब गया था आधा शहर

साल 1998 में 23 अगस्त को महज 24 घंटे में गोरखपुर में 64 में से 13 बांधों के टूट जाने से गोरखपुर टापू बन गया था। इस साल भी एक हफ्ते के भीतर लगातार कई बांध टूट रहे हैं। तब गोरखपुर का राजधानियों से सड़क और रेलमार्ग से संपर्क 72 घंटे से ज्यादा समय के लिए टूट गया था। अगस्त 2017 में भी गोरखपुर रोहणी नदी पर बना बांध 5 जगहों पर टूट गया था। इस दौरान 700 गांव बाढ़ के पानी की चपेट में आ गए थे। गोरखपुर के पीपीगंज इलाके में मानीराम-कुदरिहा और अलगटपुर बांध टूटने से गोरखपुर-सोनौली राष्ट्रीय राजमार्ग-29 पर आवागमन दो जगहों पर बंद हुआ था। चिलुआताल की जीतपुर में एक किमी सड़क ताल बन गई थी।

प्रशासन ने लगाई 466 नावें

प्रशासन ने बाढ़ प्रभावित लोगों के आने-जाने के लिए 466 नावें और मोटरबोट लगाई हैं। बाढ़ से कुल 2,50,733 लोग प्रभावित हैं। बाढ़ प्रभावित इलाकों में पीने के पानी की सबसे बड़ी समस्या है। लोगों को क्लोरीन की गोलियां बांटी जा रही हैं।

पंजशीर के लड़ाकों का पूरे अफगानिस्तान में विद्रोह का ऐलान

तालिबान की मदद कर रहे पाकिस्तानी फाइटर जेट को मार गिराने का दावा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी काबुल

पंजशीर पर तालिबानी लड़ाकों ने सोमवार को जीत का दावा किया है। इस बीच पंजशीर के लड़ाकों और नॉर्दर्न अलायंस की सेना ने अहमद मसूद के नेतृत्व में पूरे अफगानिस्तान में विद्रोह की घोषणा कर दी है। एएफपी न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से इस बात का दावा किया है। इससे पहले सुबह ही तालिबान ने पंजशीर के गर्वनर हाउस पर तालिबानी झंडा फहराते हुए एक वीडियो जारी किया था और दावा किया था कि उसने पूरे पंजशीर पर कब्जा कर लिया है। इस बीच सोशल मीडिया पर एक तस्वीर तेजी से वायरल हो रही है। इस तस्वीर में एक पाकिस्तानी एयर फोर्स के लड़ाकू विमान को पंजशीर के शेरों के द्वारा ढेर करने की बात कही जा रही है। हालांकि, इसकी कोई पुष्टि नहीं हो सकी है।

ढह गया पंजशीर का किला, अब पूरे अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा:- आखिरकार पंजशीर भी तालिबान के सामने हार गया। रेजिस्टेंस

फोर्स के लड़ाकों ने तालिबान को कड़ी टक्कर दी लेकिन रविवार की लड़ाई के बाद तालिबान की जीत हो गई। तालिबान ने पंजशीर के गवर्नर हाउस में अपना झंडा भी लहरा दिया। अब पूरे अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा हो गया है। तालिबान ने झंडा फहराते हुए वीडियो भी जारी किया। तालिबान के इस दावे को रेजिस्टेंस फोर्स ने गलत बताया है और कहा है कि पंजशीर घाटी में जंग जारी रहेगी।

तालिबान ने कहा- जंग के जाल से बाहर आया देश

तालिबानी प्रवक्ता जबीउल्ला मुजाहिद ने कहा कि अफगानिस्तान में तालिबान के विरोध का आखिरी किला भी फतह कर लिया गया है। आखिरकार देश जंग के भंवर से बाहर आ गया है। अल्लाह की अता से और देश के लोगों के समर्थन से देश को सुरक्षित करने की हमारी कोशिशें रंग लाई हैं।

नॉर्दर्न अलायंस के चीफ मसूद के काजिकिस्तान भागने की खबर

पंजशीर में तालिबान के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व करने वाले नॉर्दर्न अलायंस के चीफ अहमद मसूद के काजिकिस्तान भागने की खबरें हैं। हालांकि, तालिबान समर्थकों के हवाले से कुछ मीडिया रिपोर्ट में इस बात का दावा किया है। इधर, पंजशीर समर्थकों ने मसूद के घाटी में ही होने की बात कही है। उनका दावा है कि मसूद आखिरी दम तक पंजशीर में ही रहेंगे। वे दुश्मनों को पीठ दिखाने वालों में से नहीं हैं। वहीं, सुबह ये भी खबर आई की तालिबान के समर्थन में पाकिस्तानी सेना ने अपने विमानों को पंजशीर घाटी में भेजा है। पाकिस्तानी हवाई हमले के बाद अफगानिस्तान के पूर्व उपराष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह ताजिकिस्तान भाग गए हैं।

अफगानिस्तान में अब पर्दे में पढ़ाई, लड़कियां बुर्का पहनकर स्कूल जाएंगी

अफगानिस्तान में करीब 1 महीने से चल रही उठापटक के बीच कॉलेज और यूनिवर्सिटी में पढ़ाई शुरू हो गई है। तालिबान ने लड़कियों को पढ़ाई करने की इजाजत तो दी है, लेकिन उन्हें कड़ी पाबंदियों से भी गुजरना पड़ रहा है। सोमवार को मजार ए शरीफ में स्थित इब्न ए सिना यूनिवर्सिटी की फोटो सामने आई है। इसमें क्लास को पर्दे के जरिए 2 भागों में बांट दिया गया है। एक तरफ लड़के बैठे हुए हैं और दूसरी तरफ लड़कियां।

महिलाओं ने बुर्का पहनना शुरू किया:- अफगानिस्तान में तालिबानी राज से पहले कम ही महिलाएं सड़कों पर बुर्का और नकाब पहने नजर आती थीं। अब, तालिबान के कब्जे के बाद, करीब-करीब सभी महिलाएं इसे पहनने लगी हैं। तालिबान ने महिलाओं से ऐसे नकाब पहनने के लिए कहा है जिसमें चेहरे का ज्यादातर भाग कवर हो जाए।

देश में कोरोना के 39,522 नए मामले, 43,906 ठीक हुए

नईदिल्ली। बीते दिन देश में कोरोना के 39,522 नए केस मिले और 218 मौतें हुईं। इस दौरान 43,906 लोग ठीक भी हुए। 13 दिन बाद रिकवर होने वालों की संख्या इतनी ज्यादा है। अब तक 3.21 करोड़ लोग स्वस्थ हो चुके हैं। राहत की बात यह भी है कि लगातार पांच दिन तक एक्टिव केस में बढ़ोतरी के बाद रविवार को 4,611 की गिरावट आई। यहां रविवार को 26,701 लोग संक्रमित पाए गए। 28,900 लोग ठीक हुए और 74 लोगों की मौत हो गई। यहां अब तक 42.07 लाख लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं।

महाराष्ट्र:- यहां रविवार को 4,057 लोग संक्रमित पाए गए। 5,916 लोग ठीक हुए और 67 की मौत हो गई। यहां अब तक 64.86 लाख लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 62.94 लाख लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 1.37 लाख लोगों की मौत हुई है। फिलहाल 50,095 मरीजों का इलाज चल रहा है।

उत्तर प्रदेश:- यहां रविवार को 18 लोग संक्रमित पाए गए और 31 लोग ठीक हुए। 2 पीड़ितों की मौत भी हुई। अब तक राज्य में 17.09 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हो चुके हैं। इनमें 16.86 लाख ठीक हो चुके हैं, जबकि 22,856 मरीजों ने दम तोड़ दिया।

केरल हाईकोर्ट का निर्देश

कोवीशील्ड के 2 डोज के बीच का अंतर 84 के बजाय 28 दिन करने की इजाजत दे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी नई दिल्ली

केरल हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को कोवीशील्ड वैक्सीन के दो डोज के बीच का अंतर 3 सप्ताह कम करने को कहा है। कोर्ट ने कहा कि यदि पहला डोज लगवाने वाला कोई व्यक्ति 28 दिन बाद वैक्सीन का दूसरा डोज लगवाना चाहता है तो उसे इसकी इजाजत दी जानी चाहिए। कोर्ट ने सरकार से इस संबंध में ष्टश्ङ्कढ्ढह ऐप में भी जरूरी बदलाव करने का आदेश दिया है। केरल हाईकोर्ट ने कहा- कोई व्यक्ति यह तय कर सकता है कि उसे सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही

वैक्सीन पहले लेने की जरूरत है या नहीं। बात सिर्फ खुद को सुरक्षित रखने की है।

उप्र के 7 जिलों में बुखार से 157 की मौत

उत्तर प्रदेश के 7 जिलों में बुखार से 157 लोगों की मौत हो चुकी है। यहां डेंगू और वायरल फीवर से लोगों की लगातार मौत हो रही है। फिरोजाबाद के हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। यहां 24 घंटों में यहां 6 मौतें हुईं हैं। कानपुर में बीते 48 घंटे में 4 मौत, जबकि मैनपुरी में 2, मथुरा में 2 और कासगंज और एटा में 1-1 मौत हुई है। फिरोजाबाद, मथुरा और आगरा में डेंगू के बढ़ते मामलों को देखते हुए ष्टरू योगी ने निर्देश दिए हैं।

हिमाचल में फिर लैंडस्लाइड : देखते ही देखते भरभराकर हाईवे पर गिरा पहाड़, प्रशासन की सतर्कता की वजह से बची लोगों की जान

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी नई दिल्ली

हिमाचल प्रदेश में सोमवार को एक बार फिर लैंडस्लाइड से नेशनल हाईवे ब्लॉक हो गया। रामपुर के ज्योरी में पहाड़ टूटकर हाईवे पर आ गिरा। इससे किन्नौर आने-जाने वाले लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जिला प्रशासन ने इस घटना से पहले ही इलाके में अलर्ट जारी कर दिया था। ऐहतियातन पुलिस के जवान भी तैनात कर दिए गए थे। जिसकी वजह से किसी भी तरह की जनहानि नहीं हुई। दो दिन पहले से ही यहां पहाड़ों से पत्थर गिरने का क्रम जारी था। इस बात की आशंका प्रशासन को पहले ही हो गई थी कि पहाड़ का बड़ा हिस्सा टूट सकता है।

वाहनों की लंबी कतारें लगीं

लैंडस्लाइड की वजह से राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-5 पर यातायात पूरी तरह से बंद हो गया है। दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं। किन्नौर से आने-जाने वालों को भारी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। बार-बार पहाड़ टूटने से दिक्कतें काफी बढ़ गई है।

किन्नौर हादसे से लिया सबक

पिछले महीने किन्नौर में हुई लैंडस्लाइड से बड़ा हादसा हो गया था। हिमाचल रोडवेज की बस समेत 6 वाहन पहाड़ से गिरे मलबे के नीचे दब गए थे। कई लोगों की मौत हो गई थी। प्रशासन ने उस हादसे से सबक लेते हुए सतर्कता बढ़ा दी थी, जैसे ही खबर मिली पहाड़ से पत्थर गिर रहे हैं, मौके पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया। जिला प्रशासन की टीम हाईवे को जल्द से जल्द चालू करने की कोशिश में जुटी है। मशीनों की मदद से मलबा हटाने का काम जारी है। अधिकारियों का कहना है जल्द ही यातायात शुरू कर दिया जाएगा।

अस्थाई कनेक्शन लेकर ही झांकी-पंडाल की सज्जा करें

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/
आईटीडीसी न्यूज भोपाल**

गणेशोत्सव त्यौहार में पंडालों को अस्थायी कनेक्शन देने के लिए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने माकूल प्रबंध किए हैं। कंपनी ने धार्मिक उत्सव समितियों और बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे गणेशोत्सव के दौरान धार्मिक पण्डालों एवं झाँकियों में बिजली साज-सज्जा, नियमानुसार अस्थाई कनेक्शन लेकर ही करें। विद्युत वितरण कंपनी ने धार्मिक उत्सव समितियों से कहा है कि वे रसीद की लेमीनेटेड प्रति अनिवार्य रूप से पंडाल/झाँकी के सामने लगाएं। विद्युत कनेक्शन मीटरीकृत होगा। विद्युत देयक की बिलिंग नियमानुसार अस्थायी कनेक्शन हेतु लागू घरेलू दर पर की जाएगी तथा तदानुसार कंपनी में राशि जमा कराना होगी। इसके लिए आवेदन में दर्शाए अनुसार विद्युत भार के अनुरूप सुरक्षा निधि एवं अनुमानित विद्युत उपभोग की राशि अग्रिम जमा करा कर पक्की रसीद प्राप्त की जाना चाहिए। बिजली उपभोक्ता, गणेशोत्सव व धार्मिक आयोजन में पण्डालों, झांकियों में विद्युत साज-सज्जा हेतु कंपनी के निकटतम वितरण केन्द्र, सहायक अभियंता के कार्यालय में निर्धारित प्रपत्र में सही, संयोजित विद्युत भार को दर्शाते हुए अस्थायी कनेक्शन हेतु आवेदन आवश्यक रूप से करें। धार्मिक उत्सव समितियों, उपभोक्ताओं को एक लिखित आश्वासन देना होगा कि आवेदित विद्युत भार से अधिक का उपयोग नहीं करेंगे तथा लायसेंसी विद्युत ठेकेदार की टेस्ट रिपोर्ट आवेदन में संलग्न करेंगे। वायरिंग इत्यादि लायसेंसधारी विद्युत ठेकेदार से ही करवाएं। विद्युत वितरण कंपनियों ने आग्रह किया है कि आवेदित विद्युत भार से अधिक भार का उपयोग विद्युत साज-सज्जा के लिए नहीं करें। निवेदन किया गया है कि अनधिकृत तरीके से विद्युत का उपयोग नहीं किया जाए। विद्युत वितरण कंपनियों ने सचेत किया है कि अधिक भार से ट्रांसफार्मर के जलने की संभावना तथा दुर्घटना की आशंका रहती है।

धार्मिक उत्सव समितियों, उपभोक्ताओं को एक लिखित आश्वासन देना होगा कि आवेदित विद्युत भार से अधिक का उपयोग नहीं करेंगे

अर्थ-व्यवस्था को सुदृढ़ करने में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका : केन्द्रीय कृषि तोमर

» मुख्यमंत्री नरसिंहपुर से शामिल हुए केन्द्रीय कृषि मंत्रालय की वीसी में

केन्द्रीय कृषि एवं किसान-कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि देश की अर्थ-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। केंद्र सरकार किसानों की कठिनाइयों को दूर करने के लिए कृत संकल्पित है। कोरोना महामारी से लगभग सभी देशों में प्रतिकूल परिस्थितियाँ निर्मित हुई हैं। भारत सरकार ने कृषि क्षेत्र को इन प्रतिकूल प्रभावों से बचाने के लिए आवश्यक कदम उठाये हैं। कृषकों को राहत के हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्यमंत्रियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान नरसिंहपुर जिले की तेंदूखेड़ा तहसील से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में शामिल हुए। इस वर्चुअल बैठक में कोरोना महामारी के परिणामस्वरूप कृषि क्षेत्र में निर्मित परिस्थितियों तथा उनके दृष्टिगत केंद्र सरकार द्वारा उठाये गये किसान हितैषी कदमों पर विस्तार से चर्चा हुई।

न्यूज ब्रीफ

पत्रकार स्वास्थ्य बीमा योजना में बढ़े हुए प्रीमियम का भार शासन वहन करेगा

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने गत दिवस जबलपुर प्रवास के दौरान पत्रकारों की माँग पर घोषणा की है कि पत्रकार स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा योजना में बीमा कंपनी द्वारा वर्ष 2021-22 के लिए प्रीमियम में की गई वृद्धि का भार शासन वहन करेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है कि पत्रकारों को गत वर्ष की भांति ही प्रीमियम जमा करना होगा। बढ़े हुए प्रीमियम की चिंता पत्रकार नहीं करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पत्रकारों के हित में मैं और मेरी सरकार हमेशा खड़ी है।

कोरोना के हर पॉजिटिव प्रकरण पर रखें नजर : चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज प्रात: भेडाघाट में कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा को वैक्सीनेशन कार्य में लगातार गति बनाए रखने के निर्देश दिए, जिससे शत-प्रतिशत लोगो का टीकाकरण सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना के हर प्रकरण पर कड़ी नजर रखी जाए। पॉजिटिव प्रकरणों की प्रतिदिन मॉनीटरिंग के साथ कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग भी की जाए, ताकि समय पर आवश्यक उपायों को लागू कर संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अधिकारियों और जन-प्रतिनिधियों को जन-जागरूकता की गतिविधियाँ लगातार चलाने और नागरिकों को कोरोना संक्रमण के प्रति सजग और सतर्क करने की बात कहीं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान स्व. राम प्रसाद तिवारी के घर पहुँचकर शोक व्यक्त कर दी श्रद्धांजलि

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज भेड़ाघाट नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष अनिल तिवारी के भेड़ाघाट स्थित घर पहुँच कर हाल ही में दिवंगत हुए उनके पिताश्री स्व. राम प्रसाद तिवारी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिजन को ढांढस बंधाया और परमपिता परमेश्वर से तिवारी परिवार को शोक की इस घड़ी में दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

कोविड संक्रमण के मद्देनजर त्यौहारों में चल-समारोह और जुलूस प्रतिबंधित रहेगा

» भोपाल जिला प्रभारी मंत्री श्री सिंह की अध्यक्षता में हुई क्राइसिस मैनेजमेंट समिति की बैठक

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/
आईटीडीसी न्यूज भोपाल**

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री तथा भोपाल जिला प्रभारी मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में हुई भोपाल जिले की क्राइसिस मैनेजमेंट समिति की बैठक में निर्णय लिया गया कि कोविड संक्रमण के मद्देनजर आगामी त्यौहारों में चल-समारोह और जुलूस नहीं निकाले जायें। मूर्ति/ताजिए का विसर्जन संबंधित आयोजन समिति द्वारा किया जाये। विसर्जन स्थल पर जाने के लिये अधिकतम 10 व्यक्तियों के समूह की अनुमति होगी। विसर्जन के लिये भी सामूहिक चल-समारोह प्रतिबंधित रहेगा। बैठक में कलेक्टर श्री अविनाश लवानिया ने बताया कि प्रतिमा/ताजिए के लिये पंडाल का आकार अधिकतम 30म45 फीट निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि मूर्तिकारों की बैठक तीन माह पहले ली गई थी और उन्हें यह बताया गया था कि प्रतिमाएँ मिट्टी की बनायें और ज्यादा बड़ी न हों। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि तैराकी प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के अभ्यास के लिये स्वीमिंग पूल खोले जा सकेंगे। इस दौरान चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, विधायक श्री पी.सी. शर्मा और श्रीमती कृष्णा गौर, नगर निगम आयुक्त श्री के.वी.एस. चौधरी, सीईओ जिला पंचायत श्री विकास मिश्रा एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

ऊर्जा मंत्री ने दिये मुख्य महाप्रबंधक श्री टैगोर के खिलाफ जाँच के निर्देश

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी इंदौर के मुख्य महाप्रबंधक श्री संतोष टैगोर के विरुद्ध भ्रष्टाचार की शिकायतों पर जाँच के निर्देश दिये हैं। श्री तोमर ने निर्देशित किया है कि जाँच के लिये तीनों विद्युत वितरण कम्पनी के एक-एक वरिष्ठ मुख्य अभियंता तथा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी की समिति का गठन करें। उन्होंने कहा है कि जाँच रिपोर्ट सात दिन में दें। जाँच के दौरान श्री टैगोर को वहाँ से स्थानांतरित करने के निर्देश भी दिये गये हैं। श्री तोमर ने कहा है कि किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने राजभवन में किया पौधरोपण

चंदन वाटिका में रक्त चंदन और बेलपत्र के पौधे लगाए

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/
आईटीडीसी न्यूज भोपाल**

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने राजभवन परिसर में विकसित नवीन चंदन वाटिका में रक्त चंदन और बेलपत्र के पौधें रोपे वाटिका में 25 रक्तचंदन और 11 बेलपत्र के पौधे लगाए गए। पौधरोपण कार्यक्रम में राजभवन के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि रक्त चंदन और सफेद चंदन दोनों अलग-अलग प्रजाति के पेड़ हैं। रक्त चंदन का वैज्ञानिक नाम टेरोकार्पस सेन्टनस है और सफ़ेद चंदन को सेंटलम अल्बम के नाम से जाना जाता है। रक्त चंदन की लकड़ी लाल होती है। उसमे सफ़ेद चंदन की तरह कोई महक नहीं होती। इसकी औसत उँचाई आठ से ग्यारह मीटर होती है। बहुत धीरे-धीरे बढ़ने की वजह से इसकी लकड़ी का घनत्व बहुत ज़्यादा होता है। सफ़ेद चंदन की तरह रक्त चंदन का उपयोग अमूमन दवाएँ, इत्र बनाने और हवन-पूजा के लिए नहीं होता है। इससे महंगे फर्नीचर और सजावट के सामान बनते हैं। कॉस्मेटिक उत्पाद बनाने में भी इसके प्राकृतिक रंग का इस्तेमाल होता है। इसी तरह बिल्व, बेल या बेलपत्र, भारत में होने वाला एक फल का पेड़ है। इसमें रोगों को नष्ट करने की क्षमता होने से बेल को बिल्व कहा गया है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सपत्नीक चातुर्मास कार्यक्रम में पादुका-पूजन कर आशीर्वाद लिया

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान नरसिंहपुर ज़िले की तेंदुखेड़ा तहसील के राजमार्ग चौराहा स्थित श्री लीला लॉन में संत श्री रविशंकर जी महाराज श्री रावतपुरा सरकार के चातुर्मास कार्यक्रम में पहुँचे। मुख्यमंत्री श्री चौहान और उनकी धर्म पत्नी श्रीमती साधना सिंह ने पादुका-पूजन किया और श्री रावतपुरा सरकार से आशीर्वाद लिया। जिले के प्रभारी एवं वन मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, राज्यसभा सांसद श्री कैलाश सोनी, सांसद श्री राव उदय प्रताप सिंह, विधायक, अधिकारी और जन-प्रतिनिधि मौजूद थे।

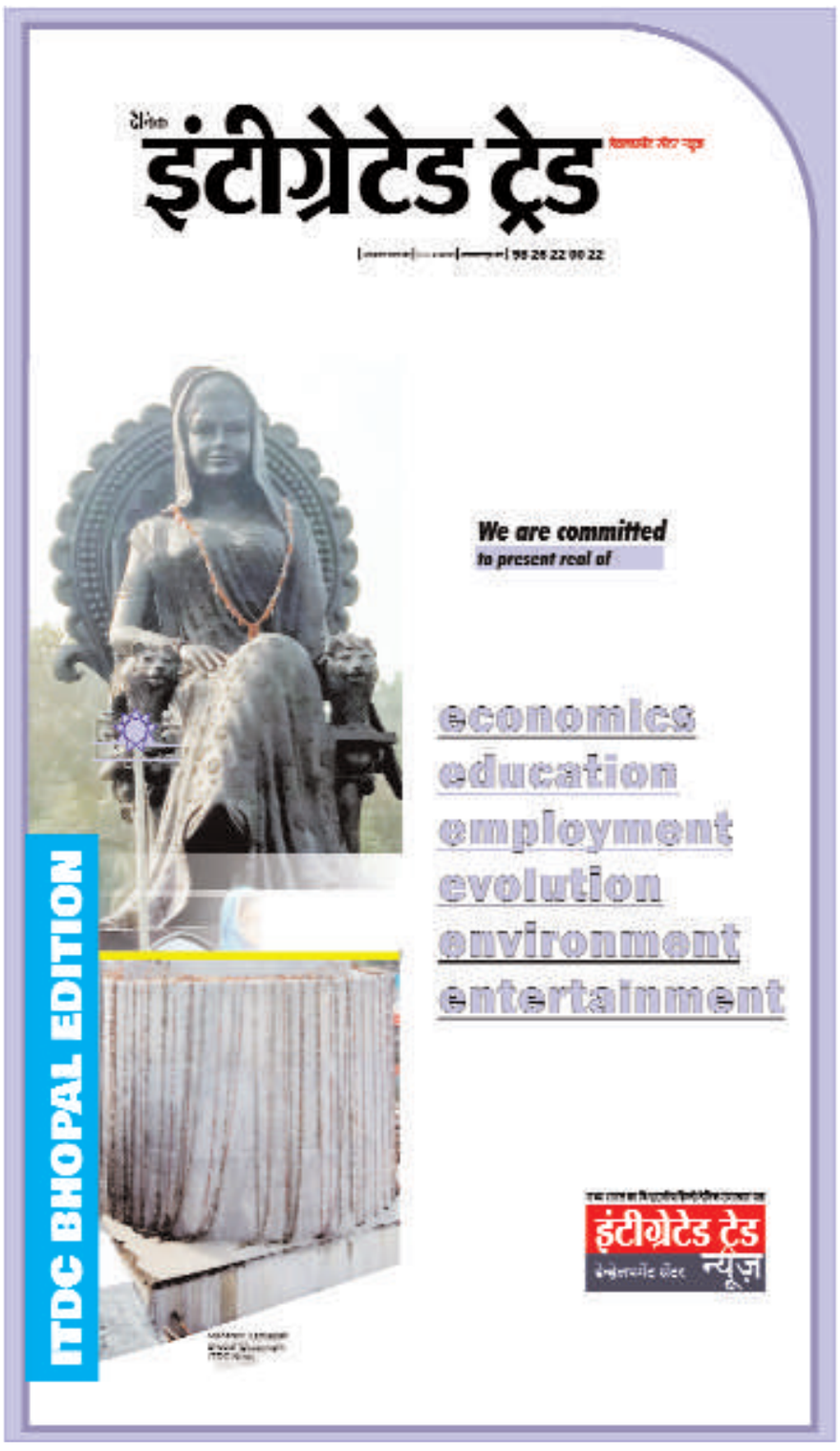

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने भेड़ाघाट में चीकू और सीताफल का पौधा लगाया

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/
आईटीडीसी न्यूज भोपाल**

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने जबलपुर भेड़ाघाट की सुरम्य वादियों में स्थित म.प्र. पर्यटन विकास निगम के होटल मार्बल रॉक परिसर में चीकू और सीताफल का पौधा रोपण किया। विधायक सर्वश्री अजय विश्नोई, सुशील तिवारी इन्दू, पूर्व विधायक प्रतिभा सिंह, रेल्वे बोर्ड के सदस्य अभिलाष पाण्डे मौजूद थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने हर दिन एक पौधा रोपने का संकल्प लिया है। इसी क्रम में उन्होंने भेड़ाघाट में चीकू और सीताफल के पौधे लगायें। चीकू के फल से विटामिन %%ए%% और ग्लूकोज मिलता है। इसमें मौजूद विटामिन-ए तथा विटामिन-बी शरीर में कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने नहीं देते। चीकू में एटींऑक्सीडेट फाइबर भी होता है। सीताफल में नैचुरल एटींऑक्सीडेंट की मात्रा पाई जाती है। इसकी पत्तियों में भी औषधीय गुण होते हैं। वही सीताफल से एनीमिया, कोलेस्ट्रॉल एवं हाई बीपी नियंत्रित करने में मदद मिलती है। सीताफल में विटामिन-सी, विटामिन-ए, पोटेशियम एवं मैगनीशियम और तांबा सहित प्रचुर मात्रा में फाइबर होता है, जो स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होता है।

न्यूज ब्रीफ

गूगल-इक्विटास करार पर नजर

नई दिल्ली। जमा जुटाने के लिए इक्विटास स्मॉल फाइनैंस बैंक ने हाल ही में गूगल पे के ग्राहक हासिल करने का जो करार किया, उससे भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) असहज हो गया है। केंद्रीय बैंक बैंकिंग क्षेत्र पर इसके असर की थाह लेने के लिए सौदे पर नजर रख रहा है। आरबीआई हमेशा बैंकिंग में तकनीकी नवोन्मेष के पक्ष में रहा है, लेकिन उसने सुनिश्चित किया है कि नियम-कायदे नवोन्मेष से एक कामद आगे ही रहें। ऐसा लग रहा है कि यह गूगल, फेसबुक, एमेजॉन, ऐपल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी बड़ी तकनीकी कंपनियों को लेकर सतर्क है। नियामक ने 1 जुलाई को जारी छमाही वित्तीय स्थायित्व रिपोर्ट (एफएसआर) में भी कहा है कि वित्तीय सेवाओं में बड़ी तकनीकी कंपनियों की बढ़ती मौजूदगी वित्तीय स्थायित्व के लिए एक बड़ा जोखिम है। एफएसआर में कहा गया है कि कभी-कभी बड़ी तकनीकी कंपनियां %अपारदर्शी व्यापक परिचालन ढांचा% रखती हैं और %वित्तीय सेवाओं में दबदबा कायम% कर सकती हैं। यही वजह है कि गूगल पे की मदद वाली जमा योजना से आरबीआई असहज है। इस घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों ने कहा कि केंद्रीय बैंक इस मसले पर कोई ठोस राय बनाने से पहले इसके नफे-नुकसान देख रहा है। हालांकि यह सौदा मौजूदा नियमनों के दायरे में नजर आ रहा है। ऐसी बहुत सी चिंताओं का जिक्र डिजिटल ऋण पर कार्य समूह की रिपोर्ट में भी किया जा सकता है, जो जल्द ही जारी होने के आसार हैं। आरबीआई के कार्यकारी निदेशक जयंत कुमार दास की अगुआई वाले कार्य समूह का गठन जनवरी में किया गया था। यह एक बार नियत तिथि तक रिपोर्ट देने में चूक गया था क्योंकि इसे विचार-विमर्श की प्रक्रिया पूरी करने के लिए ज्यादा समय की दरकार थी। इसके बाद कार्यसमूह को अपनी रिपोर्ट अगस्त में देनी थी। लेकिन सूत्रों ने कहा कि अब इसे बैंकिंग उत्पादों के डिजिटल मार्केटप्लेस पर ध्यान देने को कहा गया है, जिसका संबंध इक्विटास-गूगल समझौते से भी हो सकता है। इक्विटास, उसकी तकनीकी प्रदाता सेतु और गूगल, सभी ने साफ किया है कि इस गठजोड़ को सामान्य उत्पाद पेशशकश से ज्यादा कुछ नहीं देखा जाना चाहिए।

एक और आईपीओ आने वाला है, तमिलनाड मर्केंटाइल बैंक की फंड जुटाने की तैयारी, मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा किए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नईदिल्ली

बाजार में इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ की बहार है। अब तमिलनाड मर्केंटाइल बैंक ने भी आईपीओ के जरिए फंड जुटाने की तैयारी कर ली है। बैंक ने इश्यू लाने के लिए मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास डॉक्यूमेंट्स जमा कर दिए हैं। 15,827,495 फ्रेश शेयर्स जारी किए जाएंगे ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्ट्स यानी DRHP के मुताबिक बैंक कुल 15,840,000 शेयर्श जारी करेगा। जिसमें 15,827,495 फ्रेश शेयर्स जारी किए जाएंगे, जबकि 12,505 इक्विटी शेयर्स मौजूदा शेयरहोल्डर्स के द्वारा बेचे जाएंगे।

जरूरतों को पूरा करने में होगा फंड का इस्तेमाल

बैंक ने ष्ठक्राक्क में बताया कि बैंक आईपीओ से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल अपनी भविष्य की कैपिटल जरूरतों को पूरा करने और टियर 1 कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने में करेगा। बैंक एक्सचेंज पर शेयर की लिस्टिंग तक प्री-ऑफर प्लेसमेंट के जरिए शेयर जारी करने पर विचार नहीं कर रहा है।
एक्सिस कैपिटल, मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर और SBI कैपिटल मार्केट्स इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर होंगे। जबकि रजिस्ट्रार लिंक इनटाइम प्राइवेट लिमिटेड है

बैंक के तमिलनाडु में 41.8 लाख ग्राहक

तमिलनाड मर्केंटाइल बैंक की गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में ब्रांच हैं। दक्षिणी भारत में और विशेष रूप से तमिलनाडु में मजबूत नेटवर्क है। बैंक के मुताबिक 31 मार्च, 2021 तक उसके पास तमिलनाडु में 41.8 लाख ग्राहक हैं, जो कुल ग्राहकों के आधार का 85.07 फीसदी है।

क्रिप्टो करेंसी की कीमतों में तेजी

बिटकॉइन की कीमत 4 फीसदी बढ़ी, पोलकाडाट और डागकॉइन की कीमत 6 फीसदी बढ़ी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नईदिल्ली

क्रिप्टो करेंसी की कीमतों में पिछले 24 घंटे में अच्छी तेजी दिखी है। लोकप्रिय करेंसी बिटकॉइन का भाव जहां 4 फीसदी बढ़ा, वहीं पोलकाडाट और एक्सआरपी की कीमतें 6 फीसदी तक बढ़ी हैं।

करीबन सभी करेंसी की कीमतें बढ़ीं:- क्रिप्टो की करीबन सभी करेंसी बढ़त के साथ कारोबार कर रही हैं। टॉप 10 क्रिप्टो करेंसी में से 9 करेंसी की कीमतों में बढ़त दिखी है। सबसे ज्यादा तेजी XRP, पोलकाडाट और बिटकॉइन की कीमतों में दिखी है। बिटकॉइन का भाव 51,597 डॉलर पर पहुंच गया है। जबकि एथरियम की कीमत 1.44 फीसदी की तेजी के साथ 3,904 डॉलर पर पहुंच गई है।

बिनांस कॉइन की कीमत मामूली बढ़ी:- बिनांस कॉइन की कीमत में 1.11 फीसदी की तेजी है। यह करेंसी 499 डॉलर पर कारोबार कर रही है। तेथर हालांकि मामूली बढ़त के साथ 1 डॉलर जबकि कार्डानो भी मामूली बढ़त के साथ 2.88 डॉलर पर कारोबार कर रही है। डागकॉइन की कीमत में 4.15 फीसदी की तेजी आई है। यह 0.31 डॉलर पर कारोबार कर रही है।

एक्सआरपी की कीमत 1.32 डॉलर पर पहुंची

एक्सआरपी 5.87 फीसदी की बढ़त के साथ 1.32 डॉलर पर कारोबार कर रही है। पोलकाडाट 4.56 फीसदी की बढ़त के साथ 33.69 डॉलर पर कारोबार कर रही है। पूरी दुनिया में क्रिप्टो करेंसी का मार्केट कैप 3 फीसदी बढ़कर 2.33 लाख करोड़ डॉलर हो गया है। पिछले 24 घंटे में क्रिप्टो के बाजार में अच्छा मोमेंटम दिखा है। पिछले 7 दिन से बिटकॉइन लगातार बढ़त के साथ कारोबार कर रही है।

कुछ हफ्तों से करेंसी की कीमतों में अच्छी तेजी

क्रिप्टो करेंसी के जानकारों का कहना है कि पिछले कुछ हफ्तों से क्रिप्टो करेंसी की कीमतों में अच्छी तेजी दिख रही है। इस तेजी में संस्थागत और रिटेल निवेशकों की अच्छी भागीदारी रही है। क्रिप्टो का मार्केट कैप 2.30 लाख करोड़ डॉलर को पार कर गया है।

कोर्डाना और सोलाना में ज्यादा तेजी

कार्डानो और सोलाना में पिछले हफ्ते सबसे ज्यादा तेजी देखी गई है। हालांकि भारत में जो क्रिप्टो के निवेशक हैं, वे अभी भी सावधानी बरत रहे हैं। कारण यह है कि भारत सरकार अभी भी क्रिप्टो को लेकर कोई फैसला नहीं कर पाई है। भारत में अभी भी इसे अनरेगुलेटेड सेगमेंट माना जा रहा है। इसलिए निवेशक इसमें कोई जोखिम नहीं लेना चाहते हैं।

बिटकॉइन की कीमत में आएगी और तेजी:- जानकारों का मानना है कि बिटकॉइन की कीमतों में यहां से अच्छी तेजी दिखेगी। हो सकता है कि अगले साल यह 90 हजार डॉलर तक के आंकड़े को पार कर जाए। हालांकि इस साल के अंत तक इसकी कीमत 60 हजार डॉलर तक जा सकती है। बिटकॉइन की कीमत 3 महीने पहले 32 हजार डॉलर पर चली गई थी। जबकि पोलकाडाट की कीमत 22 डॉलर पर पहुंच गई थी। भारत में 12-14 क्रिप्टो के एक्सचेंज हैं जो कारोबार करते हैं। भारत में क्रिप्टोकरेंसी में रोजाना का टर्नओवर 1,000-1500 करोड़ रुपए का है। देश में क्रिप्टो करेंसी में 1 से 1.20 करोड़ निवेशक हैं।

पिछले हफ्ते की गिरावट के बाद महंगे हुए सोना-चांदी

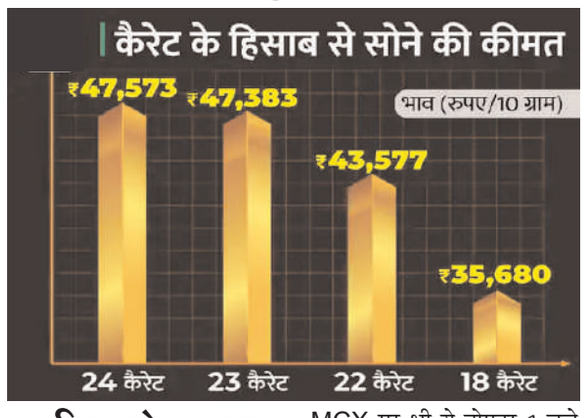

» फिर साढ़े 47 हजार के पार हुआ सोना

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नईदिल्ली

पिछले हफ्ते की गिरावट के बाद आज यानी सोमवार को सोने-चांदी की चमक बढ़ी है। इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार आज सर्राफा बाजार में सोना 327 रुपए महंगा होकर 47,573 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। हालांकि वायदा बाजार में आज सोना कमजोर हुआ है। 1 बजे MCX पर सोना 79 रुपए की गिरावट के साथ 47,445 रुपए पर ट्रेड कर रहा है।

चांदी में दिखी बड़ी बढ़त

चांदी की बात करें तो सर्राफा बाजार में 1,641 रुपए की बढ़त के साथ 65,116 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। MCX पर भी ये दोपहर 1 बजे 277 रुपए की बढ़त के साथ 65,486 रुपए पर ट्रेड कर रही है। पिछले हफ्ते सोना 301 और चांदी 135 रुपए सस्ती हुई थी।

बढ़ने लगी है सोने की मांग

देश में सोने की मांग फिर बढ़ने लगी है। अगस्त महीने में भारत ने 121 टन सोना इंम्पोर्ट (आयात) किया है, जो अगस्त 2020 के मुकाबले दोगुना है। अगस्त 2020 में 63 टन गोल्ड इम्पोर्ट किया था। एक्सपर्ट्स का मानना है कि सोने के दामों में गिरावट और लॉकडाउन से राहत मिलने के कारण सोने की मांग फिर बढ़ने लगी है। इससे जुड़े एक गर्वमेंट ऑफिसर ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि 2021 के पहले आठ महीनों यानी जनवरी से अगस्त तक का आयात 687 टन हो गया।

सरकार वाप्कोस में बेचेगी हिस्सेदारी

आईपीओ के जरिए 25 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की योजना, मार्च 2022 तक आ सकता है इश्यू

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नईदिल्ली

केंद्र सरकार एक और कंपनी में अपनी हिस्सेदारी बेचने की तैयारी कर रही है। सरकार पब्लिक सेक्टर की मिनी रत्न कंपनी वाप्कोस में आईपीओ के जरिए अपनी 25 फीसदी हिस्सेदारी बेचेगी। यह आईपीओ मार्च 2022 तक आ सकता है।

कोरोना महामारी की वजह से आईपीओ में देरी हुई:- मंत्रालय के एक अधिकारी के मुताबिक कोरोना महामारी की वजह से वाप्कोस का आईपीओ आने में कुछ देरी हुई है। कंपनी अपने ओवरसीज ऑपरेशन से डाटा जुटा रही है। वैल्युएशन का काम 2 महीने में पूरा होने की उम्मीद है।

विदेश में भी है कंपनी का कारोबार:- वाप्कोस जल शक्ति मंत्रालय के अंतर्गत आती है। कंपनी पानी, बिजली और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर के लिए कंसल्टेंसी, इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण सेवाएं उपलब्ध कराती है। कंपनी अफगानिस्तान सहित कुछ अन्य देशों को भी अपनी सर्विस देती है। सरकार इस आईपीओ के जरिए कंपनी में अपनी 25 फीसदी हिस्सेदारी कम करेगी। डिपार्टमेंट ऑफ इन्वेस्टमेंट एंड पब्लिक एसेट मैनेजमेंट ने फरवरी 2021 में 25 फीसदी हिस्सेदारी आईपीओ के जरिए बेचने के लिए रजिस्टार सर्विस और एडवरटाइजिंग एजेंसी के लिए टेंडर निकाला था। सरकार ने फाइनेंशियल ईयर 2021-22 में विनिवेश के जरिए 1.75 लाख करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। लेकिन अभी तक सरकार एक्सिस बैंक, NMDC और हुडको में हिस्सेदारी बिक्री के जरिए 8,300 करोड़ रुपए ही जुटा पाई है। सरकार की राष्ट्रीय बीज निगम (में भी आईपीओ के जरिए अपनी 25 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की योजना है।

डिजिटल ब्रोकरों की बढ़ी बाजार हिस्सेदारी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नईदिल्ली

ब्रोकरेज उद्योग में डिजिटल ब्रोकिंग कंपनियों का दबदबा बढ़ रहा है। केवल डिजिटल ब्रोकिंग सेवा मुहैया कराने वाले शीर्ष पांच ब्रोकरेज के पास उद्योग के कुल सक्रिय ग्राहकों की करीब 50 फीसदी हिस्सेदारी है। इस साल जुलाई के अंत तक जीरोधा, अपस्टॉक्स, ऐंजल वन (पहले ऐंजल ब्रोकिंग), 5 पैसा और ग्रो की बाजार हिस्सेदारी 53 फीसदी से अधिक हो गई है और उनके कुल सक्रिय ग्राहकों की संख्या 1.26 करोड़ तक पहुंच गई। वित्त वर्ष 2019 के अंत में इन फर्मों की हिस्सेदारी 17 फीसदी थी। पांच शीर्ष पारंपरिक ब्रोकरों की कुल हिस्सेदारी इस दौरान 33 फीसदी से घटकर 22 फीसदी ही रह गई। कोविड महामारी डिजिटल ब्रोकरों के लिए अच्छा अवसर साबित हुई। महामारी के बाद ही करीब 70 फीसदी ग्राहक इनके पास आए हैं। 20 से 30 साल की युवा पीढ़ी को सहजता, एकसमान शुल्क और खाता खोलने की प्रक्रिया आसान होने की वजह से ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म खूब रास आता है। रतन टाटा और टाइगर ग्लोबल जैसे निवेशकों की वाली कंपनी अपस्टॉक्स के सह-संस्थापक और मुख्य कार्याधिकारी रवि कुमार ने कहा, %छोटे-मझोले शहरों से सक्रिय ट्रेडरों की संख्या बढ़ी है। इनमें से ज्यादातर शेयरों में पहली बार निवेश करने वाले ग्राहक हैं।

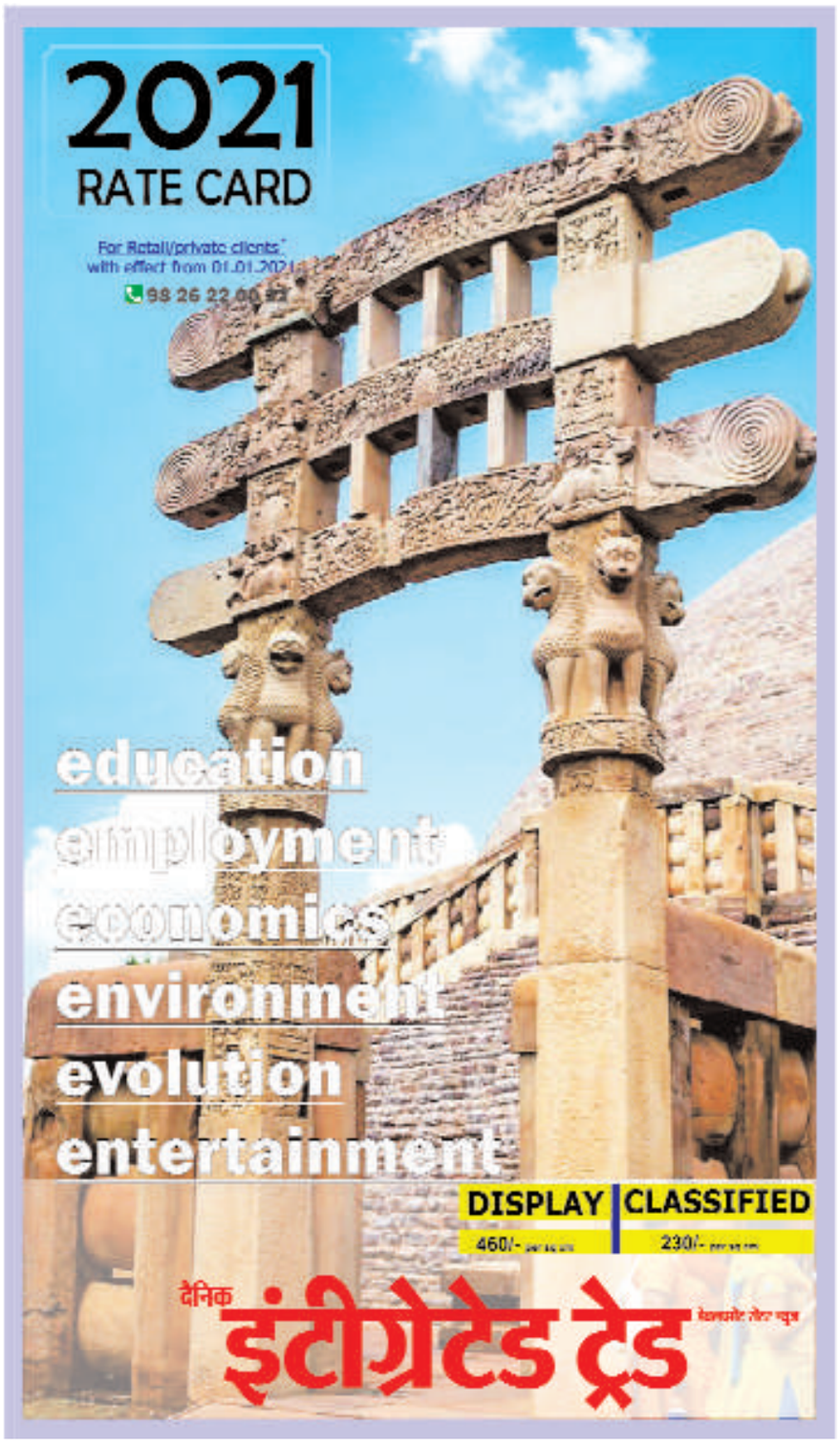

ऐपल ने बढ़ा दिया भारत में आईफोन का उत्पादन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नईदिल्ली

ऐपल इंक भारत के बाजार में जितनी कीमत के मोबाइल फोन बेचती है, उसमें से 70 फीसदी कीमत के फोन यहीं बन रहे हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी और %मेक इन इंडिया% के लिए यह तगड़ा प्रोत्साहन है। दो साल पहले भारत में बन रहे फोन की हिस्सेदारी केवल 30 फीसदी थी मगर इसमें तेज बढ़ोतरी हुई है। इससे पता चलता है कि वित्त वर्ष 2021 में सरकार की उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शुरू होने के बाद ऐपल ने अपनी रणनीति में काफी बदलाव किया है। भारत में ऐपल के लिए फोन बनाने वाली तीन कंपनियों में से एक फॉक्समॉन इस समय ऐपल 10 और ऐपल 12 के अलावा सबसे अधिक बिक्री वाला मॉडल ऐपल 11 भी बना रही है। ऐपल के लिए ठेके पर विनिर्माण करने वाली एक अन्य कंपनी विस्ट्रॉन ऐपल एसई 2020 बनाती है। तीसरी कंपनी पेगाट्रॉन ने अभी उत्पादन शुरू नहीं किया है। इस समय भारत में केवल ऐपल 12प्रो और प्रो मैक्स का आयात किया जा रहा है। इनकी कीमत बहुत अधिक है मगर बहुत कम तादाद में आयात होता है। ऐपल के प्रवक्ता ने इस बारे में भेजे गए सवालों का कोई जवाब नहीं दिया। संख्या के लिहाज से उत्पादन पर नजर रखने वाली टेकआर्क के संस्थापक फैसल कावूसा कहते हैं कि 2017 में भारत में बिकने वाले ऐपल के फोन में से केवल 5 फीसदी यहां बने थे। 2020 में यह आंकड़ा बढ़कर 60 फीसदी पर पहुंच गया है। भारत में ऐपल 12 का उत्पादन शुरू होने के बाद इस समय आंकड़ा 75 फीसदी हो गया है। सूत्रों ने कहा कि इस समय ऐपल का देश में मोबाइल फोनों का मूल्य संवर्धन करीब 15 फीसदी है। ठेके पर विनिर्माण करने वाली तीनों कंपनियों ने सरकार से वादा किया है कि वे पीएलआई योजना के तहत इस आंकड़े को पांच साल में बढ़ाकर 30 फीसदी पर पहुंचा देंगी। चीन में ऐपल का मूल्य संवर्धन करीब 40-45 फीसदी है।

किसान महापंचायत : देश की आत्मा के जागने की तस्वीर

पिछले करीब 7 वर्षों से नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र सरकार जनविरोधी नीतियों और योजनाओं की पर्याय बन चुकी है। प्रचंड बहुमत के कारण मिली शक्ति से उसमें अहंकार और हठधर्मिता का ऐसा मिश्रण बन गया है जो देश की जनता को तबाह कर रहा है। मोदी द्वारा उठाये जा रहे सनकपूर्ण कदमों से देश को बड़ा नुकसान हो रहा है। अपरिमित शक्ति से लैस मोदी सरकार नागरिकों को आर्थिक दृष्टि से सतत कमजोर कर रही है। ताकत के केन्द्रीकरण एवं पूंजीवादी सिद्धांतों में अगाध विश्वास रखने वाली भाजपा ने देश को एक कुचक्र में फंसा दिया है जिससे निकलने की जद्दोजहद देशवासी कर रहे हैं।

2016 में मोदी द्वारा लाए गए नोटबंदी कानून से देश की समस्याओं की शुरुआत हुई है। इस श्रृंखला की ताजा कड़ी है केन्द्र सरकार द्वारा पिछले साल लाए गए तीन कृषि कानून जिनके माध्यम से मोदी अपने कारपोरेट साथियों के हाथों देश को गिरवी रखने का षड्यंत्र रच चुके हैं। इन तीन कानूनों के माध्यम से मोदी मंडी व्यवस्था व न्यूनतम समर्थन मूल्य को समाप्त करने की योजना बना चुके हैं। कहने को तो ये कानून किसानों को उनकी फसलों की अधिक कीमत दिलाने और उनकी आय बढ़ाने की बात कहते हैं परन्तु अब यह कोई राज नहीं रह गया है कि इनसे देश का किसान कारोबारियों का गुलाम बन जायेगा। किसानों के उत्पादों को औने-पौने भाव में खरीदकर खाद्यान्नों की जमाखोरी करने और बाद में मनचाही कीमतों में उपभोक्ताओं को बेचने की कुत्सित योजना इन तीन काले कानूनों में छिपी हुई है। वैसे तो मोदी अपने कार्यकाल में ज्यादातर जनविरोधी योजनाएं ही लाए हैं या जनहित के नाम पर गरीबों को लूटकर अपने मित्रों को अमीर बनाने के उपक्रम किये हैं, लेकिन उनके खिलाफ व्यापक विरोध नहीं हो पाए। हुए भी तो शाहीन बाग आदि जैसे जिन्हें दबा दिया गया; लेकिन कृषि कानूनों के खिलाफ प्रारम्भ हुआ किसान आंदोलन लगातार व्यापक और मजबूत होता जा रहा है। इन कानूनों के खिलाफ 26 नवम्बर, 2020 से देश भर के किसान आंदोलनरत हैं। दिल्ली को उन्होंने घेर रखा है। किसानों के साथ सरकार बातचीत का दिखावा कर रही है। वार्ता के 11 दौर हो चुके हैं पर सारे बेनतीजा निकले हैं। सरकार ने इन 9 महीनों में किसानों पर कई जुल्म ढाये हैं। इनमें लाठी चार्ज, ठंडे पानी की बौछारें, आंसू गैस, सड़कों पर गड्ढे खोदना व कीलें लगाना, झूठे मुकदमे दायर करना, आंदोलन को हिंसक बनाने या धार्मिक रंग देने के प्रयास आदि शामिल है।

फिर भी किसान आंदोलन जारी रखे हुए हैं। यह दुनिया का सबसे लम्बे समय तक चलने वाला अहिंसक आंदोलन है जिसने प्रतिरोध की बेहतरीन मिसाल पेश की है। ऐसे समय में जब पूरा देश निरंकुश मोदी के नियंत्रण में जकड़ा जा रहा है, किसान ऐसी सरकार के सामने सीना तानकर खड़े हैं। लगभग विपक्षविहीन देश, पंगु संसद, सरकार के आगे झुकी न्यायपालिका, गैर जवाबदेह विधायिका, सरकारी आदेशों पर उठ-बैठ करती कार्यपालिका एवं पूंजीपतियों द्वारा नियंत्रित मीडिया के बावजूद किसान अगर लाखों की संख्या में मुजफ्फरनगर में जुटते हैं जो दर्शाता है कि देश की आत्मा अभी मरी नहीं है। हमारी प्रतिरोध की तासीर जिंदा है। रविवार को उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में आयोजित हुई किसान महापंचायत से सरकार को यह समझ लेना चाहिये कि वह बहुमत के आधार पर मनमानी नहीं कर सकती। यह गांधी का देश है जो जुल्म के खिलाफ बुरी से बुरी से हालत में भी खड़ा होना जानता है। शिक्षक दिवस पर किसानों ने देश को अपने अधिकारों के लिए लड़ना नये सिरे से सिखाया है जो वह पिछले 7 वर्षों से भूलता जा रहा है। किसान महापंचायत देश की आत्मा के फिर से जागने की तस्वीर है। सरकार अपना अहंकार त्यागकर वह काले कानून तत्काल वापस ले। देशवासियों को चाहिये कि वे किसानों का साथ दें। किसान अगर हारे तो देश को फिर से गुलाम बनने में देर नहीं लगेगी,

संपादकीय

ओबीसी विधेयक समाज के समग्र हित में

देश भर में चल रहे किसान आंदोलन एवं पेगासस जासूसी कांड में घिरी केन्द्र सरकार ने सोमवार को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से संबंधित संविधान (127वां संशोधन) विधेयक, 2021 पेश किया। इसके माध्यम से राज्य सरकारों को यह अधिकार मिल जायेगा कि वे स्वयं तय कर सकें कि उनके प्रदेश में पिछड़े वर्ग कौन हैं। ओबीसी आरक्षण के लिहाज से यह महत्वपूर्ण विधेयक है जिसके लिए सभी दल राजी हो गये हैं। उल्लेखनीय है कि संसद के मानसून सत्र के 20 दिनों बाद यह पहला अवसर आया जब दोनों सदनों में हंगामे की नौबत नहीं आई। 10 और 11 अगस्त को राज्य सभा में अपने सभी सदस्यों को उपस्थित रहने का व्हिप सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने जारी किया है जिससे यह उम्मीद है कि चर्चा के बाद इस विधेयक को सर्वसम्मति से पास किया जा सकता है। इसे एक तरह से विपक्ष की जीत समझा जा रहा है क्योंकि विपक्ष यह लंबे समय से मांग करता आया है कि ओबीसी के निर्धारण का अधिकार राज्यों के पास होना चाहिए। इस विधेयक के पारित हो जाने से राज्य या केन्द्र शासित प्रदेशों के पास पिछड़े वर्गों की सूची होगी। देश के संघीय ढांचे को बनाये रखने के मद्देनजर भी संविधान के अनुच्छेद 342क, अनु. 338ख एवं अनु. 366 में संशोधन करने की जरूरत है। ये विधेयक उपरोक्त उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए हैं। इन संशोधनों से राज्य सरकारें अपनी मर्जी से किसी भी जाति को ओबीसी की सूची में शामिल कर उन्हें आरक्षण का लाभ देने में सक्षम होंगी। मराठा, जाट, पटेल, लिंगायत सहित अनेक वर्ग लंबे समय से आरक्षण मांगते आये हैं। इस मुद्दे पर कई पिछड़े वर्गों ने बड़े प्रदर्शन किये और सुप्रीम कोर्ट में याचिकायें भी लगाई हैं। जाटों द्वारा राजस्थान में रेल रोकने एवं गुजरात में पटेलों द्वारा बड़े आंदोलन किये गये। यहां तक कि इस समुदाय के लगभग 500 परिवारों ने चेतावनी भी दी थी कि अगर उन्हें ओबीसी आरक्षण नहीं मिला तो वे कोई और धर्म अपना लेंगे। अगस्त 2015 में राजस्थान कोर्ट ने भी ओबीसी का नये सिरे से सर्वे करने का आदेश जारी किया था। 1999 में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में बनी एनडीए सरकार ने जाटों को आरक्षण दिया था। महाराष्ट्र में भी मराठा समुदाय आरक्षण की मांग करता आया है और इसके लिए उग्र प्रदर्शन भी होते आए हैं। इस संशोधन विधेयक के पारित होने पर सुप्रीम कोर्ट का वह आदेश निष्प्रभावी हो जायेगा जिसके अंतर्गत वर्ष 2018 के संशोधन विधेयक के उपरांत सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों को ओबीसी में शामिल करने का अधिकार केन्द्र सरकार के अधीन है। सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों को ओबीसी की श्रेणी में रखा गया है जिन्हें सामाजिक-शैक्षणिक रूप से सक्षम बनाने हेतु संविधान में आरक्षण की व्यवस्था बनाई गई है। जो समुदाय आरक्षण की मांग करते आये हैं उनका राजनीति में भी अहम रोल होता है इसलिए अनेक विपक्षी दलों के अलावा स्वयं भाजपा के कई नेता इसके पक्ष में रहे हैं। जिन विरोधी दलों ने इस विधेयक का समर्थन किया है, वे हैं- कांग्रेस, अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (डीएमके), शिवसेना, समाजवादी पार्टी, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, आम आदमी पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, नेशनल कॉन्फ्रेंस, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, लोकतांत्रिक जनता दल, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी और केरल कांग्रेस एम (केसीएम)। चूंकि ओबीसी को आईएएस व आईपीएस सहित विभिन्न नौकरियों, आईआईटी, आईआईएम जैसे शासकीय शिक्षण संस्थानों में 27 प्रतिशत का आरक्षण मिलता है, विभिन्न परीक्षाओं में अधिकतम उम्र सीमा में छूट मिलती है, सामान्य छात्रों के मुकाबले परीक्षा देने के अधिक मौके प्राप्त होते हैं तथा परीक्षाएं उत्तीर्ण होने अथवा न्यूनतम अंकों में इम्तिहान पास करने की छूट उपलब्ध होने से इस सूची में शामिल होने वाले वर्गों को भी ये लाभ मिल सकेंगे। यह एक उचित कदम होगा क्योंकि अनेक ऐसे वर्ग हैं जो हैं तो पिछड़े परंतु उन्हें ओबीसी के लिए उपलब्ध ये लाभ एवं आरक्षण मिल नहीं पाते जिसके कारण वे सामाजिक और शैक्षणिक दृष्टि से पीछे रह गये हैं। उन्हें भी विकास की मुख्यधारा में इस प्रस्तावित कानून के जरिये शामिल किया जा सकेगा। समाज के समग्र विकास के लिए उन वर्गों तक विकास की रोशनी पहुंचनी आवश्यक है। इस दृष्टिकोण से यह एक अच्छा कानून साबित होगा।

प्रियंका और दिग्विजय के हाथों में संघर्ष की कमान

तारीफ करने में कोई बुराई नहीं है मगर उसके स्वर ऐसे होते थे कि वह तारीफ जितनी मोदी की तरफ जाती थी उससे ज्यादा राहुल गांधी की आलोचना और सोनिया पर सवाल की दिशा में मुड़ती थी। 2019 के बाद तो यह गति और तेज हुई। राहुल को अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना पड़ा और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने सोनिया को पत्र लिखकर कांग्रेस के कामकाज पर सवाल उठाए। यह भी 2014 के बाद वाला ही पैटर्न था जिसमें सोनिया और राहुल पर हमले जितना ही जोर मोदी को खुश करने पर भी था। ज्योतिरादित्य सिंधिया और जितिन प्रसाद भाजपा को उपयोगी लगे।

- शकील अख्तर

संभवतः सोनिया को सब याद आया हो और अपनी आखिरी पारी खेल रहीं उन्होंने नए नेतृत्व का साथ देने के लिए वफादार और बेखौफ लोगों को फिर खड़ा करना शुरू किया हो। दिग्विजय उनके देखे-परखे नेता हैं। चार साल पहले वे एक जोरदार बाजी पलट कार्यक्रम कर चुके हैं। उनकी नर्मदा परिक्रमा ने मध्यप्रदेश में 15 साल से जमी हुई भाजपा सरकार को उखाड़ दिया था।

विपक्ष में सबसे महत्वपूर्ण होता जनता की आवाज बनना। और यह आवाज बन जाती है जन आंदोलनों के जरिए। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी इनका महत्व समझती हैं। 2004 लोकसभा चुनाव से पहले वे खुद सड़कों पर उतरी थीं और जनता ने इसका प्रतिफल दिया था जीत के जरिए। अब सोनिया की निगाहें 2024 के लोकसभा चुनाव पर हैं। विपक्षी नेताओं के साथ बातचीत में उन्होंने सबसे ज्यादा जोर आगामी लोकसभा चुनाव पर ही दिया था। इसी क्रम में उन्होंने अपनी पार्टी को तैयार करने के लिए एक उच्चस्तरीय समिति की घोषणा की है। जिसमें पार्टी की महासचिव और यूपी इन्चार्ज प्रियंका गांधी को रखा है। प्रियंका आम तौर पर किसी कमेटी में नहीं होती हैं। लेकिन आंदोलनों की तैयारी, रूपरेखा बनाने और सड़क पर संघर्ष के लिए बनी इस समिति में प्रियंका को होना ही इसके महत्व को बताता है। सोनिया गांधी की निगाह में यह समिति कितनी महत्वपूर्ण है यह इससे और पता चलता है कि इसका संयोजक उन्होंने सड़क पर सबसे ज्यादा लड़ने वाले और मोदी सरकार से नहीं डरने वाले वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह को बनाया है। मोदी सरकार के सात साल और खास तौर से दूसरे कार्यकाल के ये दो साल कांग्रेसी नेताओं का परीक्षा काल रहे। बड़े-बड़े नेता जो खुद को पार्टी के छात्र संगठन एनएसयूआई और यूथ कांग्रेस से निकला बताते थे इस दौर में सत्ता की प्रशंसा करते देखे गए। हालांकि यह क्रम 2014 से चालू था। कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता घुमा-फिराकर प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते थे। तारीफ करने में कोई बुराई नहीं है मगर उसके स्वर ऐसे होते थे कि वह तारीफ जितनी मोदी की तरफ जाती थी उससे ज्यादा राहुल गांधी की आलोचना और सोनिया पर सवाल की दिशा में मुड़ती थी। 2019 के बाद तो यह गति और तेज हुई। राहुल को अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना पड़ा और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने सोनिया को पत्र लिखकर कांग्रेस के कामकाज पर सवाल उठाए। यह भी 2014 के बाद वाला ही पैटर्न था जिसमें सोनिया और राहुल पर हमले जितना ही जोर मोदी को खुश करने पर भी था। ज्योतिरादित्य सिंधिया और जितिन प्रसाद भाजपा को उपयोगी लगे। उन्हें एन्ट्री मिल गई। बाकी सब लाइन में लगे हैं। सबसे बुरा हुआ सचिन पायलट के साथ। वे खुदा ही मिला न विसाले सनम वाली स्थिति में फंस गए। वसुन्धरा राजे ने उन्हें भाजपा में नहीं आने दिया। अलग पार्टी बनाने की उन्होंने हिम्मत नहीं की। और कांग्रेस ने उन्हें सुबह का भुला कहकर स्वीकार तो किया मगर कुलिंग पीरियड में डाल दिया। जिसका राजनीति में मतलब होता है कि आराम करो। हम तुम पर निगाह रखे हुए हैं। कांग्रेस के एक बड़े नेता और जो राजस्थान के मामलों में असर रखते हैं ने कहा कि कम से कम एक साल का कुलिंग पीरियड होना चाहिए। अब वह एक साल भी पूरा हो गया है।

तो इन स्थितियों में सोनिया गांधी को अपने पुराने वफादार साथियों की याद आना स्वाभाविक थी। युद्ध की तरह राजनीति में भी माना जाता है कि उस हार का अफसोस नहीं होता जो विरोधियों के हाथ हुई हो। कसक वह हार देती है जिसमें अपनों का भी हाथ हो। 2014 में कांग्रेसी लड़े ही नहीं। हालांकि लड़ना तो उन्होंने 2012 से ही छोड़ रखा था जब अन्ना हजारे के जरिए देश में एक छद्म आंदोलन चलाया जा रहा था। दिल्ली के कांग्रेस मुख्यालय में आकर वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं जिनमें गृह मंत्री चिदम्बरम तक थे पर जूते और चप्पलें फेंके जा रहे थे। कृषि मंत्री और उस समय के भी और आज के भी सबसे दबंग नेताओं में से एक शरद पवार के गाल पर चांटा मारा जा रहा था। और अन्ना कह रहे थे कि केवल एक गाल में दूसरे में नहीं। उस समय दिग्विजय सिंह ने केन्द्र सरकार और कांग्रेस की किंकर्तव्यविमूढ़ता के मूल कारण पर उंगली रखते हुए कहा था कि सत्ता के दो केन्द्र नहीं होना चाहिए। उनका इशारा साफ था कि राहुल को सत्ता संभालना चाहिए। उस समय कांग्रेस के कई नेता अन्ना हजारे और रामदेव में देवत्व खोज रहे थे। मगर दिग्विजय साफ कह रहे थे कि ये संघ के एजेन्ट हैं। उस समय हालत इतने मजेदार थे कि दिग्विजय कांग्रेस के समर्थन में जैसे ही कुछ भी बोलते थे दूसरी तरफ से कांग्रेस का ही एक बयान आ जाता था कि ये उनकी व्यक्तिगत राय है। साथ ही पत्रकारों को आफ द रिकार्ड यह बता दिया जाता था कि उनके बोलने पर पाबंदी लगा दी गई है। दिग्विजय से जब इस बारे में पूछा जाता था तो वे हंसते हुए कहते थे कि कांग्रेस अध्यक्ष ने तो मुझसे कुछ कहा नहीं। हां, एक बार यह जरूर दिग्विजय ने पत्रकारों से कहा था कि उन्हें शेरों से कभी डर नहीं लगता। मगर यहां (दिल्ली) के चूहों से लगता है। वे कब किसे कुतरना शुरू कर दें पता नहीं चलता। दिग्विजय के इन तेवरों से कांग्रेस के दरबारी नेताओं के अलावा भाजपा भी परेशान रहती है। 2019 के लोकसभा चुनाव में एक तरफ कांग्रेस ने दिग्विजय को भोपाल की मुश्किल सीट से लड़ने को कहा तो दूसरी तरफ भाजपा ने वहां अपनी सबसे बड़ी तोप साध्वी प्रज्ञा सिंह को उतारा। लेकिन वह हार भी दिग्विजय के मनोबल को तोड़ नहीं पाई। अभी पिछले दिनों भोपाल में एक प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा मारी जा रही पानी की तेज बौछारों और लाठियों के बीच उन्हें बेरिकेट्स पर चढ़ते देखा गया। तो कुछ दिनों बाद यूथ कांग्रेस के दिल्ली में संसद घेराव में पुलिस की बाधाओं को पार करते हुए आगे बढ़ते हुए।

नीतीश कुमार हैं पीएम मटीरियल!

- जयशंकर गुप्त

राजनीति के चतुर खिलाड़ी नीतीश कुमार अभी तक इन दबावों को झेलते और भरसक परे करते रहते हैं। भाजपा के जनसंख्या नियंत्रण कानून पर उन्होंने साफ कर दिया कि उनकी राय भाजपा से अलग है। इसी तरह से पेगासस जासूसी प्रकरण की जांच कराए जाने की विपक्ष की मांग का समर्थन कर उन्होंने भाजपा और मोदी सरकार पर एक तरह का दबाव ही बनाया। उन्होंने जातीय जनगणना पर विपक्ष के सुर में सुर मिलाते हुए प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखा और सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ मिलकर इसके लिए उन पर दबाव भी बनाया। इन दिनों बिहार की राजनीति में पीएम यानी प्रधानमंत्री मटीरियल की चर्चा बहुत जोरों पर है। बिहार में सबसे अधिक समय तक मुख्यमंत्री बने रहने का रिकार्ड बनाने वाले नीतीश कुमार को उनकी पार्टी के लोग एक अरसे से पीएम मटीरियल मानते और बताते रहे हैं लेकिन इस बार जब 29 अगस्त को जनता दल (यू) की राष्ट्रीय परिषद ने इस आशय का एक राजनीतिक प्रस्ताव भी पास कर दिया तो बात में गंभीरता नज़र आने लगी है। यह बात और है कि अभी प्रधानमंत्री पद के लिए कोई रिक्ति नजर नहीं आ रही है। जाहिरा तौर पर नीतीश कुमार ने यही कहा है कि वह इन बातों पर ध्यान नहीं देते। पार्टी में लोग इस तरह की बातें करते रहते हैं। लेकिन उनकी मौजूदगी में उनकी पार्टी की राष्ट्रीय परिषद में इस तरह का राजनीतिक प्रस्ताव कैसे पास हो गया! ऐसा तो संभव ही नहीं है कि उनकी जानकारी और सहमति के बिना यह प्रस्ताव तैयार और पास भी हो गया हो! लोकसभा के चुनाव पौने तीन साल बाद होने हैं और अभी वह जिस राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल हैं, उसमें प्रधानमंत्री का पद और भविष्य की दावेदारी भी खाली नहीं है। उनके समर्थक और उन्हें प्रधानमंत्री पद के काबिल बताने वाले उनकी पार्टी के नेता क्या यह सोचते हैं कि 2024 के आम चुनाव में नरेंद्र मोदी भाजपा में उम्र के पैमाने के मद्देनजर प्रधानमंत्री पद के दावेदार नहीं रहेंगे और भाजपानीत, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वारा संचालित राजग बिहार की बादशाहत की तरह ही लोकसभा में 15-20 सांसद की राजनीतिक ताकत वाले नीतीश कुमार को नेतृत्व की दावेदारी सौंप देगा! फिलहाल तो यह द्विवास्वप्न से अधिक कुछ और नहीं लगता। इसके लिए दूसरा विकल्प 2024 में संयुक्त विपक्ष उन्हें अपना वैकल्पिक चेहरा मानकर चुनाव लड़े। तो क्या उनकी निगाह एक बार फिर से पलटी मार कर नरेंद्र मोदी और भाजपा के विरोध में बनने वाले किसी संभावित राजनीतिक गठबंधन का नेतृत्व करने की ओर लगी है। नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री मटीरियल बताने के पीछे उनकी और उनके जद (यू) की राष्ट्रीय पहिचान बनाने की कवायद भी हो सकती है।

जद (यू) नेताओं की कोशिश उत्तर प्रदेश और मणिपुर विधानसभा के चुनाव में भी अगर भाजपा से बात बन जाती है तो उसके साथ मिलकर और सम्मानजनक सीटें नहीं मिलने पर अपने बूते भी तकरीबन आधी सीटों पर चुनाव लड़ने की लगती है। अगले साल ही जम्मू-कश्मीर और गुजरात विधानसभा के चुनाव भी होने हैं। जद (यू) की कोशिश इन राज्य विधानसभाओं के चुनाव में कुछ सीटें और अपेक्षित मत प्रतिशत हासिल कर चुनाव आयोग से राष्ट्रीय दल की मान्यता हासिल करने की हो सकती है। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने कश्मीर यात्रा कर वहां भी पार्टी के पांव पसारने और चुनाव लड़ने के संकेत दिए हैं।

नीतीश कुमार के प्रधानमंत्री मटीरियल वाली राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं इससे पहले भी कई बार हिलोर मार चुकी हैं। 2014 के संसदीय चुनाव के समय भाजपा की तरफ से नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद के दावेदार के रूप में पेश किए जाने के विरोध में उनकी पार्टी ने भाजपा और राजग से अलग होकर चुनाव लड़ा था। उनकी कोशिश कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के साथ मिलकर लोकसभा का चुनाव लड़ने की थी लेकिन बात नहीं बनी और लोकसभा चुनाव में उनके हिस्से में केवल दो ही सीटें आई थीं। इसके बाद 2015 में बिहार विधानसभा का चुनाव उन्होंने कांग्रेस और अपने राजनीतिक विरोधी लालू प्रसाद यादव के राजद के साथ मिलकर लड़ा और शानदार जीत हासिल कर एक बार फिर वह बिहार के मुख्यमंत्री बने। उस समय भी, 2019 के चुनाव में कुछ विपक्षी दलों की ओर से उन्हें मोदी के विकल्प के रूप में पेश करने की कवायद शुरू हुई। नीतीश कुमार चाहते थे कि उन्हें यूपीए में संयोजक जैसा कोई पद देकर यूपीए उनके नेतृत्व में ही लोकसभा का चुनाव लड़े। लेकिन यह कांग्रेस को मंजूर नहीं था। और भी कुछ बातें थीं जिनसे उनका कांग्रेस और राजद के साथ मोहभंग सा होता गया। और इसी क्रम में विधानसभा के भीतर यह कहने के बावजूद कि रहें या मिट्टी में मिल जाएं, अब कभी भाजपा से हाथ नहीं मिलाएंगे, उन्होंने 2017 में दोबारा भाजपा से हाथ मिलाते हुए 2015 के जनादेश को दरकिनार कर भाजपा के साथ साझा सरकार बना ली। इससे विपक्षी खेमे में उनकी राजनीतिक विश्वसनीयता संदिग्ध हुई।

लेकिन उनके 2017 के राजनीतिक फैसले का उन्हें भरपूर चुनावी लाभ मिला। 40 में से 39 सीटें राजग के खाते में गई। जद (यू) के भी 16 सांसद जीते। विपक्ष के नाम पर कांग्रेस को एक सीट मिल सकी थी। विधानसभा का पिछला, 2020 का चुनाव भी उन्होंने भाजपा के साथ ही मिलकर लड़ा। लेकिन इस बार भाजपा की सीटें तो बढ़कर 74 हो गईं, नीतीश कुमार के जद (यू) के खाते में केवल 43 सीटें ही आ सकीं। नीतीश कुमार के लिए यह एक राजनीतिक झटका था। हालांकि वादे के मुताबिक भाजपा ने नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही साझा सरकार बनवाई लेकिन क्रमशः इसकी कीमत भी वसूलने लगी। उन्हें इस बात का एहसास भी कराया जाने लगा है कि वह भाजपा के रहमोकरम पर ही मुख्यमंत्री बने हुए हैं। नीतीश कुमार के सामने एक बार फिर 2015 के बाद वाली ही स्थिति उभरकर सामने आने लगी है। पिछले सप्ताह बिहार के छपरा में जेपी विश्वविद्यालय में गुपचुप ढंग से भाजपा का एजेंडा लागू करने की साजिश उजागर हुई। वहां राजनीति शास्त्र के पोस्ट ग्रेजुएट पाठ्यक्रम में समाज सुधारक स्वामी दयानंद सरस्वती, राजा राममोहन राय, लोकमान्य तिलक और नीतीश कुमार के राजनीतिक आराध्य और आदर्श रहे समाजवादी नेता डॉ. राममनोहर लोहिया और लोकनायक जयप्रकाश नारायण के व्यक्तित्व और विचारों की जगह नेताजी सुभाषचंद्र बोस, ज्योतिबा फुले और जनसंघ के अध्यक्ष रहे दीनदयाल उपाध्याय को शामिल किया गया।

सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए

सच तो ये है कि आप हमें
ऋणी बना कर चले गए।
जो भी फ़र्ज़ हमसे जुड़े थे, हर
फ़र्ज़ निभा कर चले गए।
कहते हैं के हर अधिकार से
जुड़ा एक फ़र्ज़ होता है।
आप हर अधिकार हमें देकर
हर फ़र्ज़ का ऋणी बना कर
चले गए।
कभी सोचा भी नहीं था के
आप यूं चले जाएंगे।
आज भी लगता है मानो अभी
लौट कर आ जाएंगे।
जिंदगी की सारी खुशियां हमें
देकर अपने जाने का ग़म दे
चले गए।
सच तो ये है के आप हमें ऋणी
बना कर चले गए।
घर की हर छोटी सी चीज़ भी
आपकी याद दिलाती है।
कितना कुछ किया आपने
हमारे लिए हर चीज गवाह बन
जाती है।
घर के हर कोने से आप ज़िंदगी
की सबसे मीठी याद देकर चले
गए।
सच तो ये है कि आप हम
ऋणी बनाकर चले गए।
कहते हैं कि पिता का दिल
कठोर होता है वो कभी नहीं
रोता है।
पर मेरे दूर जाने के गम में
पलकें भिगोते मैंने आपको
देखा है।
पिता की परिभाषा बदल
कठोरता को प्रेम में बदल कर
चले गए।
सच तो ये है की आप हमें
ऋणी बना कर चले गए।
मेरा बच्चा मेरे लिए ये करेगा
बचपन में ये हर मां बाप कहते
हैं।
कुछ भी नहीं कर पाए आपके
लिए आज भी इसलिए तड़पते
हैं।
अपने इस निस्वार्थ प्रेम में हम
सबको डूबो कर चले गए।
सच तो ये है कि आप हमें
ऋणी बना कर चले गए।
जैसे जो मांगा सब कुछ दिया
है, उम्मीद है कि ये भी देंगे।
आपके ऋण कुछ उतारने का,
उम्मीद है आप अवसर देंगे।
लौटेंगे आप फिर हमारे बीच
अनजाने ही ये उम्मीद दे चले
गए।
सच तो ये है कि आप हमें
ऋणी बना कर चले गए।

मीठा खाने का करे दिल, तो घर बैठे बनाएं स्वादिष्ट सेवई की खीर

सेवई की खीर एक बहुत ही स्वादिष्ट रेसिपी है। जिसे सेवई कि खीर के नाम से भी जाना जाता है। पूरे भारत में यह रेसिपी बहुत ज्यादा प्रसिद्ध है। सेवई की खीर बनाने में जितनी आसान होती है, उतना ही इसका स्वाद बेहतरीन और लाजवाब होता है। इसे बनाने में समय और समाग्री दोनों ही बहुत कम लगती है। इसे आसानी से घर पर तैयार किया जा सकता है। दक्षिण भारत में अधिकतर खीर बनाने के लिए नारियल के दूध का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन यह रेसिपी थोड़ी अलग है सेवई की खीर बनाने के लिए नारियल के दूध कि जगह गाय के दूध का इस्तेमाल होता है। यह दक्षिण भारत के अन्य रेसिपी से थोड़ी अलग और बेहद स्वादिष्ट डेजर्ट रेसिपी है। इस रेसिपी की इतनी खासियत जाने के बाद इस रेसिपी को तुरंत ही घर पर बनाएं और अपने परिवार के साथ इसका आनंद ले।

मुख्य सामग्री

200 **mililitre** दूध
मुख्य पकवान के लिए
1/4 कप गाढ़ा दूध
जरूरत के अनुसार हरी इलायची
50 **grams** सेंवई
3 छोटी चम्मच चीनी
जरूरत के अनुसार बादाम
जरूरत के अनुसार किशमिश
जरूरत के अनुसार काजू
तड़के के लिए
जरूरत के अनुसार घी

सबसे पहले एक पैन ले, पैन में थोड़ा सा घी डालकर इसे अच्छी तरह से गर्म कर ले। जब भी घर गर्म होकर पूरी तरह से पिघल जाए, इसमें पहले से बारीक कटा हुआ बदाम और काजू डाले। चम्मच चलाते हुए घी में बादाम और काजू को रोस्ट कर ले। इसके बाद किशमिश डाले और उसे भी चम्मच की सहायता से अच्छी तरह से मिला ले। जब सारे इंग्रेडिएंट्स अच्छी तरह से मिल जाए और हल्के भूरे हो जाए। इन्हें घी से बाहर निकाल कर एक तरफ अलग रख दे, फिर इन्हें ठंडा होने दे।

Step 1

सबसे पहले एक पैन ले, पैन में थोड़ा सा घी डालकर इसे अच्छी तरह से गर्म कर ले। जब भी घर गर्म होकर पूरी तरह से पिघल जाए, इसमें पहले से बारीक कटा हुआ बदाम और काजू डाले। चम्मच चलाते हुए घी में बादाम और काजू को रोस्ट कर ले। इसके बाद किशमिश डाले और उसे भी चम्मच की सहायता से अच्छी तरह से मिला ले। जब सारे इंग्रेडिएंट्स अच्छी तरह से मिल जाए और हल्के भूरे हो जाए। इन्हें घी से बाहर निकाल कर एक तरफ अलग रख दे, फिर इन्हें ठंडा होने दे।

Step 2

अब उसी पैन में जिसमें कि घी गर्म किया था सेवई डाले और उससे भी हल्का सा रोस्ट होने दे। आपको यहां यह ध्यान रखना है कि सेवई को रोस्ट करते समय गैस कि आंच धीमी रखे। लगातार चम्मच चलाते हुए मध्यम आंच पर सेवई को अच्छी तरह से रोस्ट कर ले। अब सेवई को घी से निकालकर एक तरफ अलग रख दे, ताकि यह थोड़ी ठंडी हो जाए।

Step 3

अब खाली पैन में दूध डाले और दूध को उबलने दे। जब दूध अच्छी तरह से उबल जाए, इसमें रोस्ट किया हुआ सेवई डाले और सेवई को अच्छी तरह से दूध में पकाए। सेवई को आप को दूध में 4 से 5 मिनट तक चम्मच चलाते हुए अच्छी तरह से पकाना है। इसे तब तक पकाए जब तक की सेवई अच्छी तरह से पक जाए और दूध गाढ़ा हो जाए। इसके बाद इसमें ऊपर से शक्कर डाले और शक्कर डालने के बाद भी 2 मिनट तक लगातार चम्मच चलाते हुए पकाए। अब इसमें दो चम्मच मिल्कमेड डाले। फिर रोस्ट किया हुआ ड्राई फ्रूट्स डाले। सारी सामग्रियों को चम्मच की सहायता से अच्छी तरह से मिला ले। इसके बाद इसमें ऊपर से एक चुटकी इलायची पाउडर छिड़के और थोड़ी देर तक मध्यम आंच में पकाए।

Step 4

अब आप की रेसिपी पूरी तरह से तैयार हो चुकी है। इसे एक बड़े बाउल में निकाल कर सर्व करे। आप इसे ड्राई फ्रूट्स के बारीक टुकड़ों से सजाकर भी सर्व कर सकते है। इस रेसिपी को तैयार करने के बाद इसे ठंडा या गर्म दोनों तरह से सर्व किया जा सकता है। अगर आप ठंडा खाने के शौकीन है तो आप इसे कुछ देर के लिए फ्रिज में रख कर भी इस्तेमाल कर सकते है। आप चाहे तो इस रेसिपी को रेफ्रिजरेटर में रख कर दो दिन तक भी इस्तेमाल कर सकते है। तो देखा आपने इस बेहतरीन रेसिपी को तैयार करने में ज्यादा से ज्यादा 20 मिनट का ही समय लगता है और यह भी तैयार होने के बाद बहुत स्वादिष्ट लगती है। तो इस रेसिपी को यहां समझने के बाद इसे तुरंत बनाए और अपने परिवार के साथ इसका आनंद ले।

शाम को चाय के साथ बनाइए, स्पेशल चिकन पनीर गिलाफी कटलेट

चिकन और पनीर आपस में मिलकर इस कटलेट को एक सॉफ्ट टैक्सचर देते हैं। साथ ही इसका स्वाद भी काफी बढ़ जाता है। यह कटलेट बहुत ही ज्यादा सॉफ्ट होता है और मुंह में जाते ही पिघल जाता है। इसमें चिकन के छोटे-छोटे टुकड़े को मसालों के साथ मिलाया जाता है, जिससे इसमें एक खास अरोमा बाहर निकलता है। जो इस कटलेट को और भी ज्यादा टेस्टी और स्वादिष्ट बना देता है। साथ ही इसे यूनिक फ्लेवर भी देता है। इस रेसिपी में चिकन के ऊपर पनीर का लेयर चढ़ा होता है। इसके साथ ही इसमें उपयोग में लाए गए मसाले चिकन और पनीर को एक खास तरह का स्वाद देते हैं। जिससे यह कटलेट बहुत ज्यादा स्पेशल बन जाता है। इस कटलेट के बारे में इतना कुछ जानने के बाद आइए देखते हैं कि इसे कैसे आप आसानी से घर पर ही तैयार कर सकते है।

(Serving: 3)

मुख्य सामग्री

250 **grams** चिकन/मुर्गा
मुख्य पकवान के लिए
4 - कटा हुआ प्याज
200 **grams** पनीर
3 - हरी मिर्च
3 छोटी चम्मच कटा हुआ धनिये के पत्ते
2 छोटी चम्मच मक्के का आटा
1/2 छोटी चम्मच गरम मसाला पाउडर
1 1/2 छोटी चम्मच अदरक
1 छोटी चम्मच लहसून का पेस्ट
1 छोटी चम्मच चिली पाउडर
1 छोटी चम्मच धनिया पाउडर
1/2 छोटी चम्मच हल्दी
जरूरत के अनुसार नमक
3 छोटी चम्मच तिल के बीज
तड़के के लिए
जरूरत के अनुसार रिफाइंड तेल

Step 1:

सबसे पहले एक बाउल में पनीर ले। अब पनीर के ऊपर हल्दी की एक परत चढ़ा दें। इसके बाद इसमें लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, गरम मसाला, सेंधा नमक, इन सभी मसालों को मिला दे। इसे इतनी अच्छी तरह से मिलाए कि इन सभी मसालों की एक परत पनीर के ऊपर चढ़ जाए।

Step 2:

अब एक दुसरे बाउल में चिकन को डालें। इसके बाद इसमें प्याज, थोड़ा मिर्च, नमक, अदरक और लहसुन का पेस्ट, लाल मिर्च पाउडर आदि डालें और इन सभी को अच्छी तरह से मिला ले। अब इसे पीसकर इसका पेस्ट तैयार कर ले।

Step 3:

अब एक बाउल ले इसमें चिकन और अन्य मसालों का पिसा हुआ पेस्ट डालें। इसके साथ इसमें धनिया पत्ती, कॉर्न फ्लोर, तिल डालकर इन सभी को अच्छी तरह से मिला ले। इसमें स्वादानुसार नमक डालें और सारी सामग्रियों को मिला ले।

Step 4:

अब अपने हाथों में थोड़ा सा पानी लगाए और तैयार किए गए मिश्रण को अपने हाथों पर ले। पानी लगाने से मिश्रण आपके हाथों पर नहीं चिपकेगा। इस मिश्रण को थोड़ा फैला ले और इसमें बीच में पनीर रखे, पनीर को इस मिश्रण की सहायता से कवर कर ले।

Step 5:

अब एक पैन में तेल गर्म करें और इसमें चिकन पनीर गिलाफी कटलेट डाले और इसे डीप फ्राई करे। आपको इसे तब तक फ्राई करना है जब तक यह हल्का भूरा ना हो जाए। आपका गिलाफी चिकन पनीर कटलेट तैयार है। इससे अपने पसंद की चटनी या मायोनिज के साथ परोसें। टीप:चिकन और पनीर के तैयार किए गए बॉल्स को डीप फ्राई करते समय बहुत हल्के हाथों से चम्मच चलाए। क्योंकि यह बहुत सॉफ्ट होते हैं और तेल पर ही फट सकते हैं।

हैदराबाद की ये स्पेशल बिरयानी खाते ही आ जाएगा स्वाद

डोने बिरयानी दक्षिण भारत की एक प्रसिद्ध बिरयानी रेसिपी है। यहां डोने बिरयानी में डोने शब्द का इस्तेमाल किया गया है। डोने एक कटोरी के आकार का पात्र होता है जिसे पत्तों से तैयार किया जाता है। यह रेसिपी थोड़ी सिंपल होती है, हैदराबादी बिरयानी की तरह इसमें ज्यादा मसाले का उपयोग नहीं किया जाता। इस रेसिपी को दक्षिण भारत में खास तरह के चावल से तैयार किया जाता है जिसे सीरागा सांबा चावल कहा जाता है। यह सांबा चावल एक तरह का चावल ही है लेकिन यह आकार में छोटा होता है और इसमें एक खास तरह का फ्लेवर होता है।इसके साथ ही इस रेसिपी में पुदीना के पत्ते के साथ मैरीनेट किए हुए मीट का इस्तेमाल किया जाता है। इस तरह से तैयार की गई इस खास बिरयानी को पत्तों से तैयार किए गए दोनों में परोसा जाता है। इसीलिए इसे दोना बिरियानी कहा जाता है। आइए जानते हैं कि इस खास रेसिपी को कैसे आप घर पर ही तैयार कर सकते हैं और इसका आनंद ले सकते है।

(Serving: 2)

मुख्य सामग्री

1 किलोग्राम चिकन/मुर्गा
मेरिनेट के लिए
250 grams दही
1 छोटी चम्मच नमक
2 बड़ी चम्मच नींबू का रस
1 छोटी चम्मच चिली पाउडर
1 छोटी चम्मच हल्दी
मुख्य पकवान के लिए
7 - हरी मिर्च
1 कप धनिये के पत्ते
1/2 कप पुदीने की पत्तियां
1 किलोग्राम चावल
4 - प्याज
1 छोटी चम्मच अदरक का पेस्ट
2 छोटी चम्मच लहसून का पेस्ट
4 - तेज पत्ता
1 छोटी चम्मच दगड़ (पत्थर का फूल)
जरूरत के अनुसार दालचीनी
जरूरत के अनुसार लौंग
जरूरत के अनुसार मोटी सौंफ
जरूरत के अनुसार सौंफ के बीज
जरूरत के अनुसार काली इलाइची
तड़के के लिए
जरूरत के अनुसार रिफाइंड तेल

नहीं खाया होगा चुकंदर का ऐसा टेस्टी हलवा, स्वाद में है बेहद लाजवाब

यह चुकंदर से बनाई जाने वाली एक तरह की डेजर्ट रेसिपी है। यह भारत की प्रसिद्ध रेसिपी है जो चुकंदर के आकर्षक रंग की वजह से देखने की वजह से देखने और खाने दोनों में ही काफी आकर्षक लगती है। यह बेहतरीन रेसिपी बच्चों के लिए भी सबसे अच्छी रेसिपी है, क्योंकि बच्चों को इसमें बीटरूट दिखाई नहीं देता है।इस रेसिपी को अगर गरमा-गर्म परोसा जाए तो यह खाने में और भी ज्यादा स्वादिष्ट लगती है। इसके साथ ही अगर आप ठंडा खाने के शौकीन हैं तो आप इसे रेफ्रिजरेटर में रखकर भी इसका इस्तेमाल कर सकते है। साथ ही आप चाहे तो 4 से 5 दिन के लिए इसे रेफ्रिजरेटर में सुरक्षित रखकर भी इसका उपयोग कर सकते है। तो इस स्वादिष्ट व्यंजन के बारे में इतना कुछ समझने के बाद अब इंतजार किस बात का है आइए देखते हैं कि कैसे बीट रूट खीरआप आसानी से घर पर ही तैयार कर सकते है, और कैसे इसका आनंद अपने परिवार के साथ ले सकते है।

(Serving: 2)

मुख्य सामग्री

4 - चुकंदर
मुख्य पकवान के लिए
1 कप दूध
1 कप घी
3/4 कप चीनी
जरूरत के अनुसार हरी इलायची
जरूरत के अनुसार काजू

Step 1:

सबसे पहले एक पैन ले, पैन में घी डालकर उसे अच्छी तरह से गर्म करे। जब घी अच्छी तरह से गर्म हो जाए, इसमें बारीक कटा हुआ काजू डाले और काजू को तब तक रोस्ट करें जब तक यह हल्का भूरा ना हो जाए। अब इसमें किसा हुआ चुकंदर डाले और सारी सामग्री को चम्मच की सहायता से अच्छी तरह से पैन में ही मिला ले।

Step 2:

अब पैन में थोड़ा घी और डाले और सारी सामग्रियों को मध्यम आंच में अच्छी तरह से पका लें। 5 मिनट तक पकाने के बाद पैन में एक कप मलाई युक्त दूध डाले और इस मिश्रण को 15 मिनट तक चमक चलाते हुए पकाए। अगर आपको मिश्रण ज्यादा गाढ़ा लगता है तो इसमें जरूरत के अनुसार थोड़ा और दूध डाला जा सकता है।

Step 3:

सारी सामग्रियां जब अच्छी तरह से पक जाए, उसके बाद यह देख ले की चुकंदर सॉफ्ट हुआ है या नहीं। अगर चुकंदर पककर पूरी तरह से नरम हो चुका है तब उसमें तीन चौथाई कप शक्कर डाले और चम्मच की सहायता से सारी सामग्रियों को अच्छी तरह से मिला ले।

Step 4:

शक्कर डालने के बाद आपको सारी सामग्रियों को 5 से 7 मिनट तक मध्यम आंच पर अच्छी तरह से पकाना है और लगातार चम्मच चलाते रहना है। इसके बाद दो चम्मच घी ऊपर से डालेंश और गैस की प्लेन बंद कर दे। आपकी चुकंदर का हलवा तैयार है, जो खाने में बहुत स्वादिष्ट और दिखने में बेहद आकर्षक भी है। इसे तुरंत गर्मागर्म परोसे।

पूड़ी-पराठे के साथ जरूर ट्राय करें स्वादिष्ट टमाटर की चटनी

टोमेटो चटनी टमाटर से तैयार किया जाता है। इस चटनी में टमाटर सबसे प्रमुख इनग्रेडिएंट्स है। इस रेसिपी में टमाटर से चटनी बनाने के लिए टमाटर को मैश करके इस्तेमाल किया गया है। टमाटर की चटनी पूरे भारत में प्रसिद्ध है यह एक तरह का भारतीय डिश है। जिसे मुख्य भोजन के साथ साइड डिश के रूप में लिया जाता है। यह चटनी किसी भी तरह के भोजन का स्वाद 4 गुना बढ़ा देता है। इसे चावल, रोटी, डोसा, इडली, पराठा किसी के साथ भी खाया जा सकता है। यह बहुत ही स्पाइसी और स्वादिष्ट चटनी है। जो स्वाद में खट्टी और थोड़ी सी तीखी होती है। इस रेसिपी की यह खासियत है कि इसे हर दिन बनाकर फ्रेश भी इस्तेमाल किया जा सकता है। आप इस टमाटर की चटनी को हफ्ते भर के लिए किसी सूखे स्थान में फ्रिजर्व करके भी रख सकते हैं।इस तरह से पूरे हफ्ते आप आराम से इस चटनी को इस्तेमाल कर सकते हैं। तो आइए बिना बिना इंतजार किए देखते हैं कि कैसे इस सिंपल सी चटनी को आप घर पर खुद ही तैयार कर सकते हैं और बहुत ही आसानी से एक स्वादिष्ट साइड डिश बना सकते हैं। इस चटनी को तैयार करने के लिए हमें किसी खास तरह की सामग्री की भी जरूरत नहीं पड़ती है । बहुत ही थोड़ी सी चीजों से इसे तैयार किया जा सकता है।

(Serving: 2)

मुख्य सामग्री

4 - कटा हुआ हरे टमाटर
मुख्य पकवान के लिए
1 - beaten,chopped प्याज
6 - हरी मिर्च
जरूरत के अनुसार सरसों के बीज
जरूरत के अनुसार हींग
जरूरत के अनुसार करी पत्ता
जरूरत के अनुसार कटा हुआ धनिये के पत्ते
जरूरत के अनुसार नमक

Step 1: सबसे पहले एक पैन ले। पैन में 4 चम्मच तेल डाले और तेल को अच्छी तरह से गर्म होने दे। अब तेल गरम होने के बाद इसमें कटा हुआ प्याज, हरी मिर्च और धनिया के पत्ते डाले। अब इन्हें अच्छी तरह से चम्मच चला कर मिला ले। इसके बाद कुछ मिनटों तक पकाए।

Step 2: जब सारी सामग्रियां अच्छी तरह से मिल जाए इसके बाद इसमें कटे हुए टमाटर डालें और इसे 5 मिनट तक मध्यम आंच में पकाए। आपको इनग्रेडिएंट्स को तब तक पकाना है जब तक टमाटर नर्म ना हो जाए। जब आपको लगे कि टमाटर अच्छी तरह से पक चुका है तो सारी सामग्रियों को चम्मच की सहायता से एक बार फिर अच्छी तरह से मिला दे। उसके बाद गैस का स्विच में बंद कर दे और इसे रूम टेंपरेचर पर ठंडा होने दे।

Step 3: इन सामग्रियों को ठंडा होने के लिए छोड़ दे। जब यह पूरी तरह से ठंडा हो जाए इसे मिक्सर ग्राइंडर में डालकर अच्छी तरह से पीस ले। यहां पर आपको ध्यान रखना है कि इसमें आपको पानी बिल्कुल भी नहीं मिलाना है। बिना पानी मिलाए ही इसे अच्छी तरह से पीसना है।

होटल जैसा ही ब्रेड पकौड़ा घर पर बनाएं, झट से नोट करें रेसिपी

ब्रेड पकौड़ा एक स्वादिष्ट भारतीय फ्राइड रेसिपी है। इस रेसिपी को ब्रेड बज्जी के नाम से भी जाना जाता है। ब्रेड पकोड़ा को आप शाम के वक्त नाश्ते के रूप में या सुबह नाश्ते के रूप में ले सकते हैं। यह रेसिपी भारत का एक प्रसिद्ध स्ट्रीट फूड है। ब्रेड पकौड़ा या ब्रेड बज्जी, ब्रेड स्लाइस, बेसन, आलू और बहुत सारे मसालों को मिलाकर बनाया जाता है। तो आइए जानते हैं कि कैसे आप भारत के इस प्रचलित स्ट्रीट फूड को घर पर ही तैयार कर सकते हैं और इसका आनंद अपने परिवार के साथ ले सकते है।

(Serving: 2)

मुख्य सामग्री

2 - उबला हुआ आलू
मुख्य पकवान के लिए
1 छोटी चम्मच जीरे के बीज
1 छोटी चम्मच धनिया के बीज
1 छोटी चम्मच अजवाइन
जरूरत के अनुसार धनिये के पत्ते
4 - ब्रेड स्लाइस
2 कप बेसन
2 छोटी चम्मच ड्राई मैंगो पाउडर
2 छोटी चम्मच पिसा हुआ कश्मीरी लाल मिर्च
जरूरत के अनुसार हरी मिर्च
1/2 inch अदरक
जरूरत के अनुसार नमक

Step 1:

सबसे पहले एक पैन ले, पैन को गैस पर गरम करे और बिना तेल डाले खड़ा धनिया, खड़ा जीरा को 2 से 3 मिनट तक रोस्ट करे। जब यह अच्छी तरह से रोस्ट हो जाए और इससे खुशबू आने लगे, इसके बाद इन्हें मिक्सर ग्रांइडर पर डालकर इनका बारीक पाउडर बना ले।

Step 2:

अब पैन में तेल डाले, तेल डालकर तेल को अच्छी तरह से गर्म कर ले। जब तेल अच्छी तरह से गर्म हो जाए इसमें बारीक कटा हुआ या किसा हुआ अदरक डाले। इसके बाद इसमें बारीक कटी हुई हरी मिर्च डाले और सारी सामग्री को चम्मच की सहायता से अच्छी तरह से मिला ले।

Step 3:

अब इसमें लाल मिर्च पाउडर, अमचूर पाउडर, जीरा और धनिया का तैयार किया गया पाउडर डालकर इसे अच्छी तरह से मिला ले।

Step 4:

अब इसमें स्वादानुसार नमक और बारीक कटा हुआ हरा धनिया डालकर, इसे अच्छी तरह से मिलाकर एक तरफ अलग ठंडा होने के लिए रख दे।

Step 5:

अब इसमें बेसन, अजवाइन, लाल मिर्च पाउडर डाले। फिर इसमें आवश्यकतानुसार पानी डालकर इसका बैटर तैयार कर ले। बैटर तैयार होने के बाद इसे 5 से 7 मिनट तक एक तरफ ऐसे ही रहने दे।

Step 6:

इसके बाद ब्रेड स्लाइस में उबला हुआ आलू डालकर इसे अच्छी तरह से फैला ले, इसके बाद इसके ऊपर ब्रेड का दूसरा स्लाइस रखकर अच्छी तरह से दबा ले। अब ब्रेड स्लाइस को बेसन के घोल में डूबा कर, इसे डीप फ्राई करना है।

Step 7:

अब आप बेसन के बैटर में थोड़ा सा पानी डालकर इसे पतला कर सकते है। इसके बाद से ब्रेड के स्लाइस को गर्म तेल की कढ़ाई में डालकर इसे डीप फ्राई करे।

Step 8:

आपका स्वादिष्ट ब्रेड पकोड़ा तैयार है इसे म्योनीज, पुदीना की चटनी या अपने पसंद की चटनी के साथ इसका आनंद ले।तो देखा आपने कैसे आप इस बेहतरीन स्वादिष्ट ब्रेड पकोड़ा को घर पर ही तैयार कर सकते हैं और इसका आनंद अपने परिवार के साथ लें सकते है।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में अभिषेक बनर्जी से पूछताछ : दिल्ली में ED के ऑफिस पहुंचे तृणमूल सांसद, कहा-

आरोप साबित हुआ तो फांसी पर लटक जाऊंगा : अभिषेक बनर्जी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज बंगाल

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और TMC महासचिव अभिषेक बनर्जी से ED आज मनी लॉन्ड्रिंग केस में पूछताछ करेगी। अभिषेक श्वष्ठ के दफ्तर पहुंच गए हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं यहां इसलिए आया हूं, क्योंकि एजेंसी ने मुझे तलब किया था। मैं जांच एजेंसी का सहयोग करूंगा। इससे पहले उन्होंने केंद्रीय जांच एजेंसी और BJP पर निशाना साधा। ञ्जख्ष्ट सांसद ने कहा, अगर जांच एजेंसियों के पास किसी भी मामले में मेरे खिलाफ कोई सबूत है तो उसे सार्वजनिक करें। TMC आपके (भाजपा) के सामने कभी नहीं झुकेगी। आप जो कर सकते हैं, करें। उन्होंने आगे कहा, अगर कोई साबित कर सकता है कि मैंने किसी से 10 पैसे भी लिए हैं तो मैं खुद को फांसी लगा लूंगा।

अभिषेक बनर्जी ने कहा, मैंने नवंबर में एक जनसभा में कहा था कि मैं किसी भी जांच का सामना करने के लिए तैयार हूं। उन्होंने मुझे दिल्ली बुलाया है, हालांकि मामला कोलकाता से संबंधित है। वे (भाजपा) चुनाव हार गए और अब बदला लेने के लिए एजेंसियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने चुनौती दी, BJP के किसी भी राष्ट्रीय नेता का लाइव टेलीविजन शो में मेरा सामना करवा दें। वो समय और जगह चुन लें। मैं साबित करूंगा कि उन्होंने देश के लिए क्या किया है। अभिषेक बनर्जी आज दिल्ली में ED के सामने पेश होंगे। कोयला तस्करी को लेकर हुई मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में एजेंसी उनसे पूछताछ करेगी। अभिषेक की पत्नी रुजिरा बनर्जी को भी एजेंसी ने बुलाया था, लेकिन उन्होंने कोरोना महामारी का हवाला देते हुए अपने घर पर ही पूछताछ करने की अपील की।

कोयला घोटाले में TMC नेताओं पर लगे हैं आरोपः- कोयला घोटाले में TMC के नेताओं पर आरोप लगे हैं। इसमें अभिषेक बनर्जी का नाम भी शामिल है। आरोप है कि बंगाल में अवैध रूप से कई हजार करोड़ के कोयले का खनन किया गया और एक रैकेट के जरिए इसे ब्लैक मार्केट में बेचा गया। पिछले साल सितंबर में इस कथित घोटाले की जांच शुरू हुई।

शेल कंपनियों के जरिए ब्लैकमनी को व्हाइट करने का आरोप

BJP नेताओं का दावा है कि कोयला घोटाले से मिली ब्लैकमनी को TMC नेताओं ने शेल कंपनियों के जरिए व्हाइट मनी में बदला। इसमें सबसे ज्यादा फायदा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी को हुआ है। वहीं, TMC नेता लगातार यह कहते रहे हैं कि राजनीतिक बदले की भावना से यह कार्रवाई की जा रही है।

शुभेंदु अधिकारी के CID के सामने पेश नहीं होने के कयासः- दूसरी तरफ, पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता और BJP विधायक शुभेंदु अधिकारी को CID ने आज पूछताछ के लिए बुलाया है। ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि वह आज पूछताछ के लिए हाजिर न हों। शुभेंदु से उनके बॉडीगार्ड की मौत के मामले में यह पूछताछ होनी है। CID ने इस मामले में उन्हें रविवार को समन जारी किया था। उनके गार्ड शुभब्रत चक्रवर्ती ने 2018 में कथित तौर पर खुद को गोली मार ली थी। गार्ड की पत्नी ने अपने पति की मौत की जांच की मांग की है।

कुएं में गिरते ही बिल्ली बनी शेरःदोनों पैरों पर खड़े होकर तेंदुए से ली टक्कर

महाराष्ट्र के नासिक से हैरत में डालने वाला एक वीडियो सामने आया है। यहां एक कुएं में फंसी बिल्ली और तेंदुए के बीच लड़ाई देखने को मिली। दोनों गलती से कुंए में गिर पड़े थे और जान बचाने के लिए एक ही हिस्से में खड़े हो गए। घटना का वीडियो किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। इसे सोशल मीडिया में खूब शेयर किया जा रहा है। सबसे खास बात यह है कि तेंदुए से डर कर भागने वाली बिल्ली कुंए में गिरते ही भयमुक्त हो गई और दोनों पैरों पर खड़े होकर शेर की तरह उसे पंजा मारती नजर आई। पश्चिमी नासिक डिवीजन के उप वन संरक्षक पंकज गोर्ग ने कहा, %बिल्ली का पीछा करते हुए तेंदुआ कुएं में गिर गया। बाद में उसे बचा लिया गया और उसे जंगल में छोड़ दिया गया। पंकज गोर्ग के मुताबिक, संभव है कि बिल्ली को पकड़ने के चक्कर में भागते हुए दोनों इसमें गिरे थे। पंकज गोर्ग ने कहा कि रविवार को यह घटना नंदुरशिंगोट-वावी रोड के पास कांकोरी शिवारा में हुई है। यहां एक खेत से सटा हुआ पुराना कुआं बरसात के कारण लबालब हो गया है।

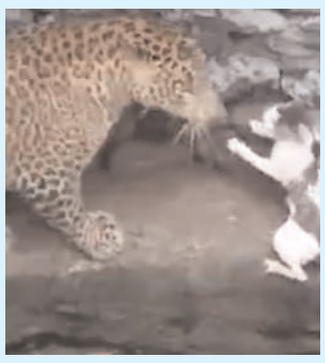

नमाज के लिए 'अलग कमरे' पर सियासत

झारखंड में भाजपा विधायकों ने विधानसभा के बाहर भजन गाया, अंदर लगाए जय श्रीराम और हर-हर महादेव के नारे

» वित्त मंत्री ने हनुमान चालीसा का पाठ किया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

झारखंड विधानसभा में नमाज के लिए अलग कमरा अलॉट करने पर सियासत तेज हो गई है। मानसून सत्र के दूसरे दिन की कार्यवाही शुरू होने से पहले विधानसभा के बाहर BJP विधायकों ने झाल-मंजीरे बजाकर भजन गया। उधर, कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। वहीं, सदन की कार्यवाही शुरू होते ही ञ्जख्ष्ट विधायकों ने जय श्रीराम, हर-हर महादेव के लगे नारे लगाए। BJP विधायकों ने कहा, 'नमाज के लिए अलग कमरा अलॉट करने का आदेश विधानसभा अध्यक्ष को वापस लेना होगा, तभी विधानसभा चल सकेगी।% वहीं, कांग्रेस का कहना है- आस्था पर सियासत नहीं करनी चाहिए। समय से नमाज अदा करने के लिए कमरा अलॉट किया गया है। इस मुद्दे को BJP बेवजह तूल दे रही है। 2 सितंबर को विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो के आदेश पर नमाज के लिए कमरा नंबर TW-348 अलॉट किया गया था।

मन में आस्था हो तो सब जगह भगवान हैं- CM हेमंत सोरेन

सदन के बाहर ञ्जख्ष्ट विधायकों के प्रदर्शन को ष्टरू हेमंत सोरेन ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, जब दल के पास कोई मुद्दे नहीं रह जाते हैं। कोई टॉपिक नहीं रहता है तो इसी तरीके का आचरण अपना कर सदन को बाधित करते हैं। मन में अगर आस्था हो तब भगवान सब जगह हैं। मन में अगर राक्षस हो तब सब जगह दुश्मन ही दुश्मन हैं।

फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग, पूर्वी बेड़े, रियर एडमिरल तरुण सोबती, वीएसएम की कमान के तहत भारतीय नौसेना टास्क ग्रुप जिसमें आईएन शिवालिक और कदमत शामिल हैं, 6 से 10 सितंबर तक AUSINDEX के चौथे संस्करण में भाग लेते हुए।

न्यूज ब्रीफ

प्रधानमंत्री मोदी ने की हिमाचल की तारीफःकहा- आप वैक्सीनेशन के चैंपियन हैं, 100 साल की सबसे बड़ी महामारी के खिलाफ जंग में आगे रहे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हिमाचल प्रदेश में हेल्थ वर्कर्स और कोविड वैक्सीनेशन प्रोग्राम के लाभार्थियों से बातचीत की। इस अवसर पर राज्यपाल, मुख्यमंत्री, जे पी नड्डा, अनुराग सिंह ठाकुर, सांसद, विधायक, पंचायत नेता समेत दूसरे लोग भी मौजूद रहे। ञ्जख्ष्ट मोदी ने कहा कि 100 साल की सबसे बड़ी महामारी के खिलाफ लड़ाई में हिमाचल प्रदेश चैंपियन बनकर सामने आया है। हिमाचल भारत का पहला राज्य बना है, जिसने अपनी पूरी आबादी को कोरोना टीके की कम से कम एक डोज लगा ली है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हिमाचलवासियों ने किसी भी अफवाह को, किसी भी अप-प्रचार को टिकने नहीं दिया। यह राज्य इस बात का प्रमाण है कि देश का ग्रामीण समाज किस प्रकार दुनिया के सबसे बड़े और सबसे तेज टीकाकरण अभियान को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि लाहौल स्पीति जैसा दुर्गम जिला हिमाचल में भी 100ञ्ज पहली डोज देने में आगे रहा है। ये वो क्षेत्र है, जो अटल टनल बनने से पहले, महीनों-महीनों तक देश के बाकी हिस्से से कटा रहता था।

मोदी बोले- कनेक्टिविटी का सीधा लाभ पर्यटन को भी मिल रहा

मोदी ने कहा, सशक्त होती कनेक्टिविटी का सीधा लाभ पर्यटन को भी मिल रहा है। फल-सब्जी का उत्पादन करने वाले किसान-बागबानों को भी मिल रहा है। गांव-गांव इंटरनेट पहुंचने से हिमाचल की युवा प्रतिभाएं, वहां की संस्कृति को, पर्यटन की नई संभावनाओं को देश-विदेश तक पहुंचा पा रहे हैं। हाल में देश ने एक और फैसला लिया है, जिसे मैं खास तौर पर हिमाचल के लोगों को बताना चाहता हूं।

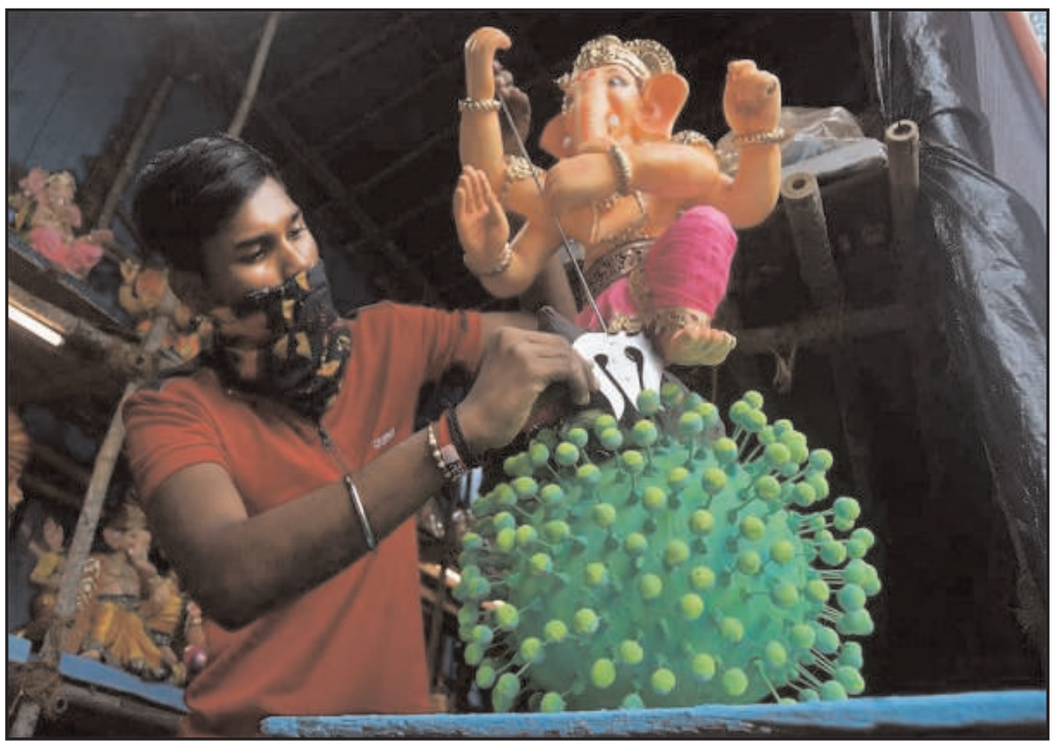

कोरोना मरदान - मुंबई के गोरेगांव में गणेश चतुर्थी उत्सव से पहले एक कारीगर दिलीप अंगने भगवान गणेश की एक मूर्ति को अंतिम रूप देते हुए।

पंजशीर में विद्रोहियों के लीडर सालेह ने काबुल कब्जे से पहले बीवी और बेटियों की तस्वीरें जला दी थीं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज काबुल

तालिबान ने पंजशीर पर पूरी तरह कब्जे का दावा किया है। अफगान मीडिया के मुताबिक, पंजशीर में विद्रोही नेताओं के लीडर अमरुल्ला सालेह ताजिकिस्तान भाग गए हैं। एक दिन पहले ही सालेह ने ब्रिटिश न्यूज पेपर में लिखे अपने आर्टिकल में कहा था कि वो तालिबानियों के आगे सरेंडर करना नहीं चाहते। इस आर्टिकल में उन्होंने अपनी फैमिली को लेकर डर की बात भी जाहिर की थी। सालेह ने बताया- जिस दिन काबुल तालिबानियों के कब्जे में गया, उससे पहले मैं काबुल स्थित अपने घर गया। अपनी बेटी और बीवी की तस्वीरें जला दीं। अपना कम्प्यूटर बटोरा और फिर अपने चीफ गार्ड रहीम से कहा कि अपना हाथ कुरान पर रखो। मैंने उससे कहा कि हम पंजशीर जा रहे हैं और सड़कों पर तालिबानियों का कब्जा है। हम लड़ेंगे और साथ मिलकर लड़ेंगे। अगर मैं घायल हो जाऊं तो मेरे सिर में 2 गोलियां मार देना। मैं तालिबान के आगे घुटने नहीं टेकना चाहता हूं।

भागने वाले नेताओं ने अपने ही देश से दगा कीः सालेह

उन्होंने आर्टिकल में लिखा था- जब काबुल में कब्जे से पहले इंटेलिजेंस चीफ मेरे पास आए और कहा कि जहां भी आप जाएंगे, मैं साथ चलूंगा। अगर तालिबानियों ने रास्ता रोक भी लिया तो हम आखिरी जंग साथ-साथ लड़ेंगे। वो राजनेता जो विदेशों के होटलों और विला में रह रहे हैं, उन्होंने अपने ही लोगों से दगा किया। ये लोग अब गरीब अफगानियों से विद्रोह करने को कह रहे हैं। ये कायरता है। अगर हमें विद्रोह चाहते हैं तो इस विद्रोह की अगुआई भी होनी चाहिए। रविवार को तालिबान की मदद करने के लिए पाकिस्तानी पायलट्स ने रेजिस्टेंस फोर्सेज के ठिकानों पर ड्रोन से हवाई हमले किए।

कांग्रेस नेता ने किसान आंदोलन की पुरानी फोटो शेयर की, संबित बोले-

दूसरों के कंधों पर बंदूक रखकर चलाना उनकी आदत

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल ने किसान आंदोलन को लेकर एक बार फिर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने ट्वीट करके कहा कि डटा है, निडर है, इधर है... भारत भाग्य विधाता! इस ट्वीट में राहुल एक गलती कर बैठे। दरअसल, उन्होंने प्रदर्शनकारी किसानों की जो तस्वीर लगाई, वो फरवरी की है, जबकि उनके ट्वीट से लग रहा है कि वो मुजफ्फरनगर में रविवार को हुई महापंचायत का जिक्र कर रहे हैं। राहुल गांधी के इस ट्वीट को लेकर ञ्जख्ष्ट की ड्डञ्ज सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने उन पर पलटवार किया। मालवीय ने दावा किया कि जो तस्वीर राहुल ने शेयर की है, वह काफी पुरानी है। उन्होंने लिखा कि राहुल को किसान महापंचायत के लिए पुरानी तस्वीर का इस्तेमाल करना पड़ रहा है, यह बताता है कि किसान आंदोलन के नाम पर फैलाया गया प्रोपेगेंडा काम नहीं कर रहा है।

संबित बोले- राहुल जमीन पर उतरकर राजनीति नहीं करते

BJP प्रवक्ता संबित पात्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके इस मामले को लेकर राहुल गांधी पर निशाना साधा। पात्रा ने कहा कि राहुल जमीन पर उतरकर राजनीति नहीं करते हैं, लेकिन ट्विटर पर सक्रिय रूप से भ्रम की राजनीति करते रहते हैं। उन्होंने ट्वीट करके किसान आंदोलन के एक पुराने फोटो को आज का फोटो दिखाने की कोशिश की है।

संबित का आरोप- झूठ की राजनीति में राहुल गांधी का हाथ

संबित पात्रा ने कहा कि अपने संगठन को आगे नहीं बढ़ाना, अपने संगठन को अध्यक्ष विहीन रखना, परिश्रम नहीं करना और दूसरे के कंधों पर बंदूक रखकर चलाने का प्रयास करना राहुल गांधी की आदत बन चुकी है। देश में जब भी भ्रम की, झूठ की राजनीति होती है, तो राहुल गांधी का हाथ होता ही है।

अपने राज्यों के विषय में चुप रहना राहुल की खूबीः संबित पात्राः- भाजपा प्रवक्ता ने कहा, आज ही राजस्थान के जालौर जिले में एक नाबालिग के साथ रेप की घटना भी सामने आई है। पूरे हिंदुस्तान में भ्रम की राजनीति करना और अपने राज्यों के विषय में चुप रहना राहुल गांधी की खूबी है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पिता और परिवार के लोग खुद जातिवाद और वैमनस्य फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। उनके खिलाफ अब स्नञ्जक्र तक की नौबत आ रही है। राहुल गांधी ये सब नहीं देखते हैं।

कांग्रेस सांसद ने स्टेज पर गाया 'एक अजनबी हसीना से मुलाकात हो गई; बोले- बिना तैयारी के है, पर आप आनंद लें

नईञ्जदिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर अपनी अंग्रेजी के लिए तो देशभर में फेमस हैं ही, अब वे अपनी गायकी के लिए भी मशहूर हो रहे हैं। शशि थरूर ने श्रीनगर में हुए एक कार्यक्रम के दौरान गाना गाया। यह अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। थरूर ने भी इस वीडियो को अपने ट्विटर अकाउंट से शेयर किया है। उन्होंने लिखा कि दूरदर्शन श्रीनगर की ओर से कराए गए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद लोगों ने मुझे गाना गाने के लिए राजी किया। मैंने बिना तैयारी के गाया, पर आप आनंद लें! शशि थरूर इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी की संसदीय स्थायी समिति के सदस्यों के साथ शनिवार को जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा से मिलने गए थे।

केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी और केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने मुंबई में एक भोजनालय में भोजन किया।

न्यूज ब्रीफ

आरटी-पीसीआर टेस्ट में भी पॉजिटिव पाए गए भारतीय कोच रवि शास्त्री

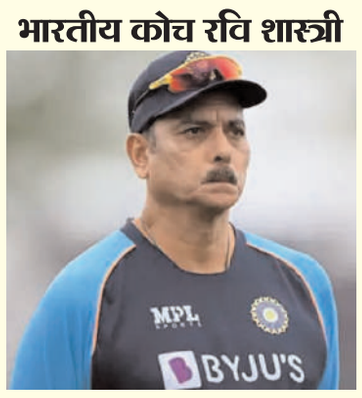

लंदन। भारत के मुख्य कोच रवि शास्त्री आरटी-पीसीआर परीक्षण में भी कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए हैं और उन्हें कम से कम अगले 10 दिनों के लिए क्वारंटाइन रहना होगा। अब वह इस सप्ताह मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट में टीम के साथ नहीं होंगे। शास्त्री को रविवार को लेटरल फ्लो टेस्ट (रैपिड एंटीजन टेस्ट) में पॉजिटिव पाया गया था और सोमवार को उनकी आरटी-पीसीआर टेस्ट रिपोर्ट में संक्रमण की पुष्टि हुई। पांचवां और अंतिम टेस्ट 10 सितंबर से शुरू होना है।
बीसीसीआई के एक सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर एक न्यूज एजेंसी से कहा कि दो रैपिड एंटीजन टेस्ट परीक्षण में पॉजिटिव पाए जाने के बाद शास्त्री का आरटी-पीसीआर परीक्षण भी पॉजिटिव आया है। उनके गले में खराश जैसे हल्के लक्षण हैं। वह 10 दिनों के क्वारंटाइन से गुजरेंगे। उसने करीबी संपर्क में आने के बाद तीन सपोर्ट स्टाफ सदस्यों को भी आइसोलेट कर दिया गया जिनमें गेंदबाजी कोच भरत अरुण, फील्डिंग कोच आर श्रीधर और फिजियोथेरेपिस्ट नितिन पटेल शामिल हैं। खेलने वाले सदस्यों ने शनिवार शाम और रविवार की सुबह आयोजित दो रैपिड एंटीजन टेस्ट में नकारात्मक परीक्षण किया था। सभी खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ का पूरा टीकाकरण किया गया है। शास्त्री को टीम होटल में अपनी पुस्तक के विमोचन में शामिल होने के बाद लक्षण सामने आने की संभावना है जहां बाहरी मेहमानों को भी अनुमति दी गई थी। उस समारोह में अरुण, पटेल और श्रीधर ने व्यक्तिगत रूप से भाग लिया था।

अब एशियाई खेलों के जरिए पेरिस ओलंपिक के लिए स्वतः क्वालीफाई करने पर फोकस : मनप्रीत

नई दिल्ली। भारतीय पुरूष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने कहा कि तोक्यो ओलंपिक में मिले ऐतिहासिक कांस्य का जश्न अब बंद करके अगले साल के एशियाई खेलों में पीला तमगा जीतने पर फोकस करना होगा ताकि पेरिस ओलंपिक के लिये स्वतः क्वालीफिकेशन मिल सके। टोक्यो में 41 साल बाद ओलंपिक पदक जीतकर लौटी भारतीय पुरूष हॉकी टीम का लगातार यशगान हो रहा है। तीसरे स्थान के प्लेआफ मुकाबले में जर्मनी पर 5-4 से मिली जीत को एक महीना हो गया है और मनप्रीत ने कहा कि अब 2022 के लिए रणनीति बनाने का समय है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सप्ताह में हमें लोगों का बहुत प्यार और तारीफ मिली। मुझे लगता है कि अब शरीर और दिमाग को आराम देने की जरूरत है। हमने सम्मान समारोहों का पूरा मजा लिया। हम इस प्यार और सम्मान से अभिभूत हैं लेकिन अब 2022 में बेहतर प्रदर्शन पर भी ध्यान देना है। एशियाई खेल अगले साल 10 से 25 सितंबर तक चीन में होंगे। भारतीय टीम का लक्ष्य इसमें स्वर्ण पदक लेकर ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करना होगा।

अपनी ही गलती पर फूटा कोहली का गुस्सा

इंडियन कैप्टन ने मोइन की गेंद पर आसान कैच दिया, ड्रेसिंग रूम में गए तो गेट पर हाथ दे मारा; उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी

भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला ओवल क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जा रहा है। चौथे दिन टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली दूसरी पारी में 6 रन से अपना अर्धशतक पूरा करने से चूक गए। कोहली का विकेट मोइन अली ने लिया। फिफ्टी से चूक जाने पर कोहली निराश नजर आए और अपने गुस्से पर काबू नहीं रख सके। विकेट गंवाकर लौटने के बाद उन्होंने ड्रेसिंग रूम के गेट पर हाथ दे मारा, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल कोहली पारी के 111 वें ओवर में मोइन अली के ओवर की आखिरी गेंद पर डिफेंड करना चाह रहे थे, लेकिन गेंद बल्ले के किनारे पर लगते हुए सीधे क्रेग ओवरटन के हाथों में चली गई। कोहली आसानी से अपना विकेट गंवाने के बाद गुस्से में आ गए। उस समय वह 96 गेंदों 44 रन बनाकर खेल रहे थे। कोहली जब ड्रेसिंग रूम में लौटे तो अपने गुस्से को काबू में नहीं रख पाए और अपना दाहिना हाथ दरवाजे पर जोर से दे मारा।

कोहली के बल्ले से सीरीज में नहीं निकला एक भी शतक

कोहली का बल्ला इस सीरीज में नहीं चला है। वह एक भी शतक नहीं बना पाए हैं। पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में अब तक तीन मैच खत्म हो चुके हैं, जबकि चौथा मैच जारी है। कोहली नॉटिंघम में हुए पहले टेस्ट की पहली पारी में खाता भी नहीं खोल हो सके थे। इस मैच को बारिश की वजह से रद्द कर दिया गया था। लॉर्ड्स में खेले गए दूसरे टेस्ट की पहली पारी में उन्होंने 42 और दूसरी पारी में 20 रन बनाए थे। वहीं लीड्स में तीसरे टेस्ट में पहली पारी में 5 और दूसरी पारी में 55 रन बनाए थे। जबकि चौथे टेस्ट में पहली पारी में 50 रन और दूसरी पारी में 44 रन ही बना सके।

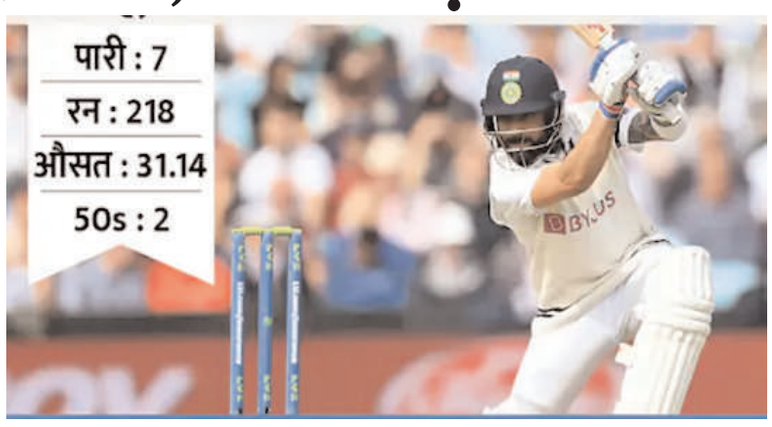

भारत ने इंग्लैंड को 368 रन का टारगेट दिया है

भारत ने इंग्लैंड के सामने 368 रन का टारगेट रखा है। भारत की दूसरी पारी 466 रन के स्कोर पर समाप्त हुई। जवाब में इंग्लैंड ने चौथे दिन स्टंप्स तक अपनी दूसरी पारी में बिना विकेट खोए 77 रन बना लिए हैं। रोरी बर्न्स 31 और हसीब हमीद 43 रन बनाकर क्रीज पर हैं। पांचवें दिन के खेल में इंग्लैंड को जीत के लिए 291 रनों की जरूरत है। वहीं, भारतीय टीम को 10 विकेटों की तलाश होगी।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तान टीम घोषित आसिफ अली और खुशदिल शाह की टीम में वापसी

शोएब मलिक-सरफराज को नहीं मिली टीम में जगह

पाकिस्तान ने टी-20 वर्ल्ड कप और उससे पहले न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के साथ होने वाली टी-20 घरेलू सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी है। घरेलू टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाले आसिफ अली और खुशदिल शाह को टीम में जगह दी गई है। वहीं इंग्लैंड और वेस्टइंडीज दौरे पर टी-20 सीरीज के लिए टीम में शामिल 19 सदस्यों में से 5 सदस्यों को टीम में जगह नहीं दी गई है।

टी-20 वर्ल्ड कप से पहले खेलनी है टी-20 सीरीज

टी-20 वर्ल्डकप अक्टूबर में ओमान और यूएई में खेला जाना है। पहला मैच 24 अक्टूबर को दुबई में भारत और पाकिस्तान के बीच खेला जाएगा। उससे पहले पाकिस्तान टीम को लाहौर और रावलपिंडी में 17 सितंबर से 14 अक्टूबर के बीच न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के साथ घरेलू सीरीज भी खेलनी है। न्यूजीलैंड का पाकिस्तान दौरा 17 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच रहेगा। इसके बाद 13 और 14 अक्टूबर के बीच इंग्लैंड पाकिस्तान के दौरे पर दो टी-20 मैच खेलेगा।

आसिफ अली और खुशदिल शाह को टीम में जगह

पाकिस्तान के टी-20 वर्ल्डकप ओर न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टी-20 सीरीज के लिए आसिफ अली और खुशदिल शाह को टीम में मिडिल ऑर्डर पर जगह दी गई है। आसिफ ने जिम्बाब्वे के खिलाफ अप्रैल में अपना आखिरी टी-20 मैच खेला था। अभी तक 29 मैचों में आसिफ ने 123.74 के स्ट्राइक रेट के साथ 344 रन बनाए हैं। वहीं बाएं हाथ के बल्लेबाज खुशदील शाह ने इस साल के शुरुआत में साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज पर अपना आखिरी टी-20 मैच खेला था। अभी तक खेले 9 टी-20 मैचों में उन्होंने 109.24 के स्ट्राइक रेट के साथ 130 रन बनाए हैं।

पांच खिलाड़ियों को नहीं मिली जगह

वहीं इंग्लैंड और वेस्टइंडीज दौरे पर टी-20 सीरीज के लिए टीम में शामिल 19 खिलाड़ियों में से पांच खिलाड़ियों राशिद इकबाल, फहीम अशरफ, फखर जमान, सरफराज अहमद, शारजील खान और उस्मान कादिर को टीम में जगह नहीं दी गई है, हालांकि फखर और उस्मान के साथ शाहनवाज दहानी को रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर टीम में शामिल किया गया है। साथ ही पूर्व कप्तान शोएब मलिक को भी टीम में शामिल नहीं किया गया है। ये पहला मौका है जब शोएब मलिक के बिना पाकिस्तान की टीम टी-20 वर्ल्ड कप खेलती हुई नजर आएगी।

घरेलू सीरीज और टी-20 वर्ल्ड कप की टीम

बाबर आजम (कप्तान), शादाब खान (उपकप्तान), आसिफ अलील, आजम खान, हारिस रऊफ, हसन अली, इमाद वसीम, खुशदिल शाह, मोहम्मद हफीज, मोहम्मद हसनैन, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद रिजवान, मोहम्मद वसीम जूनियर, शाहीन अफरीदी, शोएब मकसूद।
रिजर्व खिलाड़ी: उस्मान कादिर, फखर जमान, शाहनवाज दहानी।

फ्रेंच ओपन क्रेइसिकोवा ने मुगुरूजा को हराया

न्यूयॉर्क = फ्रेंच ओपन चैम्पियन बारबोरा क्रेइसिकोवा ने दो बार की ग्रैंडस्लैम चैम्पियन गार्बाइन मुगुरूजा को 6.3, 7.6 से हराकर अमेरिकी ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। आठवीं वरीयता प्राप्त क्रेइसिकोवा ने दूसरे सेट में 6.5 से पिछड़ने के बाद मेडिकल ब्रेक लिया। खेल बहाल होने पर उन्होंने लगातार सात अंक बनाए। अब उनका सामना चेक गणराज्य की एरिना सबालेंका से होगा जो दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी हैं।
मुगुरूजा 2016 फ्रेंच ओपन और 2017 विम्बलडन जीती हैं और पिछले साल आस्ट्रेलियाई ओपन में उपविजेता रही लेकिन अमेरिकी ओपन में चौथे दौर से आगे कभी नहीं बढ सकीं।

न्यूयॉर्क में यूएस ओपन टेनिस चैंपियनशिप के चौथे दौर के दौरान बेल्जियम की एलिस मर्टेंस को हराने के बाद प्रतिक्रिया देते हुए बेलारूस की आर्यना सबलेंका।

कोरोना विवाद के बीच ब्राजील और अर्जेंटीना का विश्व कप क्वालीफायर निलंबित

साओ पाउलो
ब्राजील और अर्जेंटीना के बीच विश्व कप क्वालीफायर मैच नाटकीय हालात में स्थगित करना पड़ा जब कोरोना वायरस प्रोटोकॉल का पालन नहीं करने वाले तीन खिलाड़ियों को बाहर करने के लिए स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों को मैदान में आना पड़ा। मैच में अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी और ब्राजील के नेमार भी खेल रहे थे। इस मैच को सातवें मिनट में ही रोकना पड़ा जब दोनों टीमें गोलरहित बराबरी पर थी। खिलाड़ियों, कोचों, फुटबॉल अधिकारियों और स्थानीय अधिकारियों के बीच काफी बहस भी हुई। ब्राजील के स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि अर्जेंटीना के इंग्लैंड में बसे तीन खिलाड़ियों को पृथकवास में रहना चाहिये था लेकिन वे

मैच खेल रहे थे। फीफा को अब तय करना है कि इस क्वालीफायर का आगे क्या होगा। ब्राजील की स्वास्थ्य एजेंसी के अध्यक्ष अंतोनियो बारा टोरेस ने कहा कि ब्राजील का कोरोना प्रोटोकॉल तोड़ने के लिये अर्जेंटीना के चार खिलाड़ियों पर जुर्माना लगाया जायेगा और उन्हें वापिस भेज दिया जाएगा। इन चारों को पृथकवास में रहने के लिए कहा गया था लेकिन तीन मैच खेलने उतरे थे। एस्टोन विला के एमिलियानो मार्तिनेज और एमिलियानो ब्यूंदिया और टोटेनहम के जियोवान्नी लो सेल्सो और क्रिस्टियन रोमेरो को प्रीमियर लीग अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने छोड़ना नहीं चाहता था क्योंकि वापसी पर उन्हें दस दिन पृथकवास में रहना होगा। इसके साथ ही ब्राजील के पृथकवास नियमों ने परेशानी और बढ़ा दी।

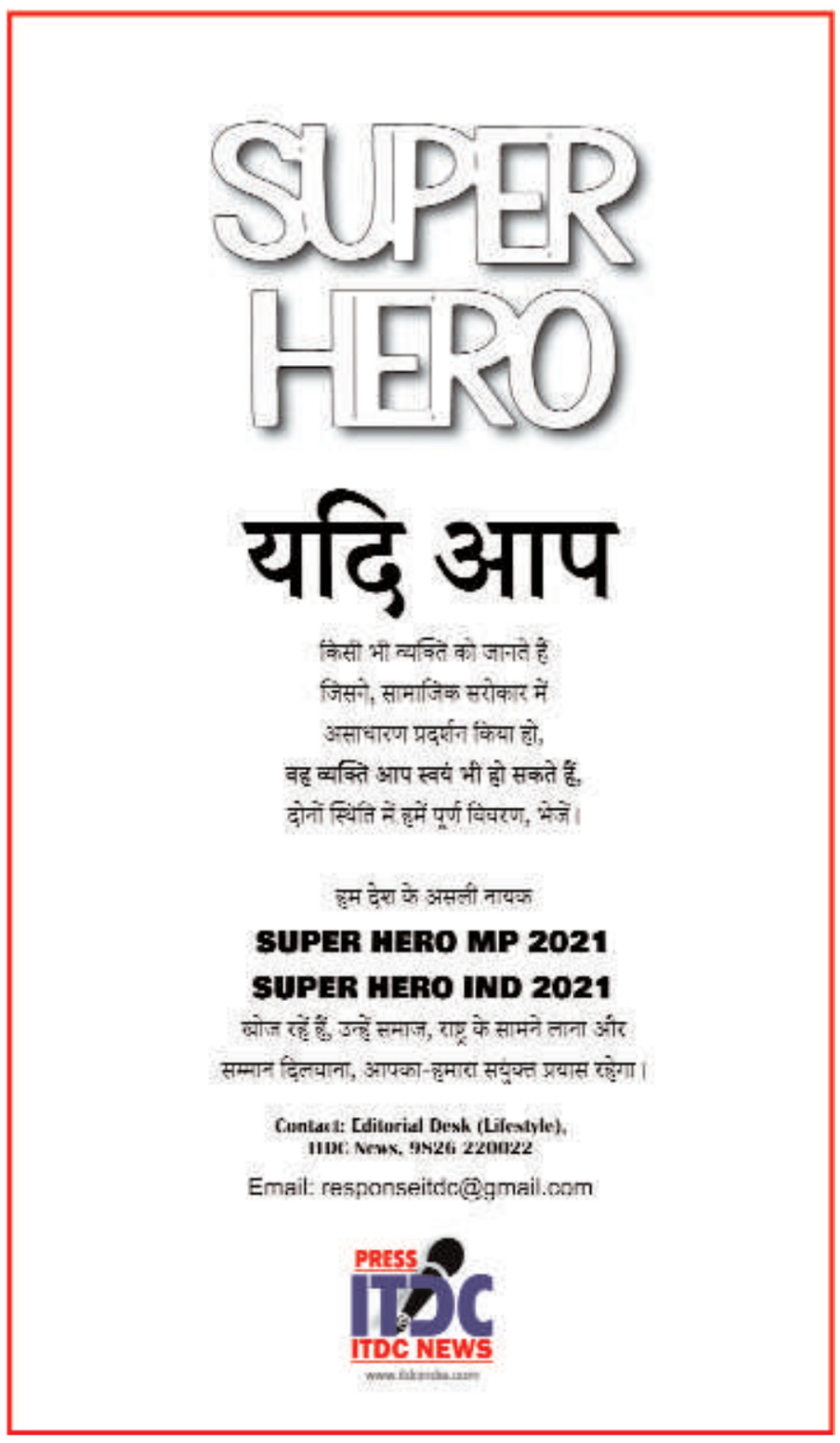

न्यूज ब्रीफ

इन्फोसिस पर टिप्पणी से संघ ने किया किनारा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने कथित तौर पर हिंदुओं के अधिकारों की रक्षा करने का दावा करने वाली पत्रिका पाञ्चजन्य में इन्फोसिस की आलोचना से जुड़े एक आलेख से किनारा कर लिया है। आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि उक्त पत्रिका में इन्फोसिस पर प्रकाशित टिप्पणी से संघ का कोई लेना-देना नहीं है। संघ कार्यकर्ताओं का कहना है कि संभवत- सरकार की तरफ से इस आलेख पर ध्यान आकृष्ट किए जाने के बाद आरएसएस के प्रचार प्रमुख की तरफ से यह टिप्पणी आई है। आरएसएस के रुख का समर्थन करने वाली पत्रिका पाञ्चजन्य ने 5 सितंबर को प्रकाशित संस्करण में चार पृष्ठों की आवरण कथा में आयकर पोर्टल में तकनीकी खामियों के लिए इन्फोसिस की आलोचना की थी। इस आलेख में इन्फोसिस के एक राजनीतिक दल से कथित संबंध होने पर सवाल उठाया गया था। इस पत्रिका ने कहा कि मोदी सरकार की छवि खराब करने के लिए कंपनी एक साजिश के तहत आयकर पोर्टल में खामियां रहने दी हैं। कंपनी के सह-संस्थापक नंदन निलेकणी कांग्रेस के नेतृत्व वाले सरकार में मंत्री रह चुके हैं। पाञ्चजन्य में प्रकाशित आलेख में यह जताने की कोशिश की गई थी कि इन्फोसिस के सबंध में आरएसएस का भी यही मानना है। मगर आरएसएस ने रविवार को साफ किया कि इन्फोसिस की आलोचना से उसका उसका कोई लेना-देना नहीं है। आंबेकर ने कहा, %एक भारतीय कंपनी के तौर पर आरएसएस ने भारत की प्रगति में अहम योगदान दिया है। इन्फोसिस द्वारा संचालित आयकर पोर्टल में कुछ खामियां हो सकती हैं लेकिन इस संदर्भ में पाञ्चजन्य में प्रकाशित आलेख में लेखक के निजी विचार हैं। पाञ्चजन्य आरएसएस का मुखपत्र नहीं है और उक्त आलेख में प्रकाशित विचारों को संघ के साथ नहीं जोड़ा जाना चाहिए।

गैर-कोविड टीकों की नियामकीय समीक्षा में तेजी

नई दिल्ली। देश में गैर-कोविड 19 टीकों पर काम अब धीरे-धीरे बढ़ रहा है क्योंकि कई कंपनियों ने परीक्षण कराने और मार्केटिंग की अनुमति पाने के लिए नियामकों से अनुमति मांगी है। महामारी की वजह से गैर कोविड-19 टीके के प्रस्तावों की समीक्षा से जुड़ा नियामकीय कार्य पिछले साल काफी धीमा पड़ गया था। जुलाई और अगस्त में टीकों से जुड़ी विषय विशेषज्ञ समिति (एसईसी) ने कई प्रस्तावों को पूरा किया और उन्हें मंजूरी दी जिसमें भारत बायोटेक के इन्फ्लुएंजा टीके, जीएसके के रोटावायरस टीके को दिया गया मार्केटिंग अधिकार शामिल है। विशेषज्ञ पैनल ने सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, सनोफी, जीएसके जैसी कंपनियों को क्रमश- अपने निष्क्रिय साल्क पोलियो टीके, हेक्सावैलेंट टीके क्वाड्रिवैलेंट इन्फ्लुएंजा और हर्प्स जोस्टर टीके के लिए तीसरे चरण का क्लीनिकल परीक्षण शुरू करने की भी अनुमति दी है।

इसे 1 हजार से बढ़ाकर 9 हजार करने की हो रही मांग

एम्प्लॉई पेंशन स्कीम के तहत मिलने वाली न्यूनतम पेंशन को लेकर हो सकता है फैसला

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नईअ्दिल्ली

आज ईपीएफओ बोर्ड बैठक होनी है। इसमें एम्प्लॉई पेंशन स्कीम के तहत मिलने वाली मिनिमम पेंशन पर फैसला हो सकता है। लंबे समय से मिनिमम पेंशन बढ़ाने की डिमांड हो रही है। अभी ईपीएफओ ने मिनिमम पेंशन 1000 रुपए तय कर रखी है।

मार्च में स्टैंडिंग कमिटी ने की थी सिफारिश

मार्च में संसद की स्टैंडिंग कमिटी ने मिनिमम पेंशन की राशि को 1000 रुपए से बढ़ाकर 3000 रुपए तक करने की सिफारिश की थी। हालांकि, पेंशनर्स डिमांड है कि पेंशन राशि बहुत कम है, इसे बढ़ाकर कम से कम 9000 रुपए किया जाना चाहिए।

ईपीएफओ बोर्ड मेंबर और भारतीय मजदूर संघ की डिमांड है कि कर्मचारी के रिटायरमेंट से ठीक पहले की आखिरी सैलरी के अनुसार पेंशन तय की जानी चाहिए। अभी अंतिम 5 साल के वेतन का औसत देखा जाता है। हालांकि श्रम मंत्रालय ऐसा करने में अपनी असमर्थता जता चुका है।

क्या है ईपीएस 95 पेंशन स्कीम?

ईपीएफओ के तहत प्रोविडेंट फंड पाने पर सभी सब्सक्राइबर्स के लिए कर्मचारी पेंशन स्कीम-1995 है। इसमें संगठित क्षेत्र के तहत काम करने वाले लोगों को 58 साल की उम्र के बाद पेंशन मिलती है। इसके लिए कर्मचारी के लिए कम से कम 10 साल की नौकरी करना अनिवार्य है। जब कोई कर्मचारी श्वक्क्न यानी एम्प्लॉई प्रोविडेंट फंड का सदस्य बनता है तो वह ईपीएस का भी सदस्य बन जाता है। कर्मचारी अपने वेतन का 12 È¤eâÎè EPF में योगदान देता है और उतनी ही राशि एम्प्लॉयर द्वारा भी दी जाती है। लेकिन, एम्प्लॉयर के योगदान में एक हिस्सा ईपीएस में जमा किया जाता है। ईपीएस खाते में योगदान वेतन का 8.33 फीसदी होता है। हालांकि अभी पेंशन योग्य वेतन अधिकतम 15 हजार रुपए ही माना जाता है। इससे यह पेंशन का हिस्सा अधिकतम 1250 प्रति महीना होता है। इसके तहत मिनिमम पेंशन 1000 और अधिकतम 7,500 रुपए की दी जाती है। स्कीम में विधवा पेंशन, बच्चों की पेंशन की सुविधा मिलती है। अगर कर्मचारी की नौकरी के दौरान 58 साल से पहले मौत हो जाती है, तो उसकी पत्नी और बच्चे पेंशन मिलती है।

ईपीएस का लाभ लेने के लिए शर्तें

कर्मचारी को EPF का सदस्य होना चाहिए। नौकरी का कार्यकाल कम से कम 10 साल तक होना चाहिए। कर्मचारी 58 साल की उम्र पूरी कर चुका हो। 50 साल की उम्र पूरी कर लेने और 58 साल की उम्र से पहले भी पेंशन लेने का विकल्प चुना जा सकता है। लेकिन, ऐसे में आपको घटी हुई पेंशन मिलेगी। इसके लिए फॉर्म 10D भरना होता है। कर्मचारी चाहे तो 58 साल पूरा होने के बाद भी ईपीएस में योगदान कर सकता है और या तो 58 साल से ही या फिर 60 साल की उम्र से पेंशन शुरू करा सकते हैं। 60 साल की उम्र से पेंशन शुरू कराने पर टाले गए 2 साल के लिए 4 फीसदी सालाना की दर से बढ़ी हुई पेंशन मिलती है। कर्मचारी की मौत होने पर उसका परिवार पेंशन पाने का हकदार होता है। अगर किसी कर्मचारी की सर्विस 10 साल से कम है तो उन्हें 58 साल की आयु में पेंशन अमाउंट निकालने का विकल्प मिलता है।

साल में चौथी बार महंगी हुई मारुति कार

आज से कार खरीदने पर 25 हजार रुपए तक ज्यादा करने होंगे खर्च, सबसे सस्ती ऑल्टो भी 18 हजार रुपए तक महंगी हुई

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नईअ्दिल्ली

देश की सबसे बड़ी कार मैन्युफैक्चर कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने आज से कारों की कीमत में इजाफा किया है। कंपनी ने बताया कि उसने सेलेरियो को छोड़कर सभी कारों की कीमत 1.9 फीसदी तक बढ़ाई है। नई कीमतें आज से लागू भी हो गई हैं। कारों की नई

कीमत अलग-अलग मॉडल और वैरिएंट के हिसाब से बढ़ाया गया है।

कंपनी ने कहा कि कारों की कीमत बढ़ाने के पीछे रॉ मटेरियल के दामों में लगातार होने वाली बढ़ोतरी है। कंपनी इनपुट कॉस्ट का सारा भार खुद नहीं उठा सकती, इसलिए वो इसका कुछ हिस्सा ग्राहकों की जेब पर भी डाल रही है।

ऑल्टो की कीमत में 18 हजार का इजाफा

भोपाल के मारुति सुजुकी डीलशिप RMJ मोटर्स ने बताया कि सभी कारें आज से महंगी हो गई हैं। नई कीमतों की बाद मारुति की कारें 10 से 25 हजार रुपए तक महंगी हुई हैं। कंपनी की एंट्री लेवल ऑल्टो अब ऑनरोड 18 हजार रुपए तक महंगी हुई है। इसी तरह, स्विफ्ट, डिजायर, ईको, अर्टिगा, एस-प्रेसो जैसी गाड़ियां भी 25 हजार तक महंगी हुई हैं।

इस साल 4 बार बढ़ चुकी हैं कीमतें:- ऐसा नहीं है कि मारुति ने इस साल पहली बार अपनी कारों की कीमतें बढ़ाई हैं। इससे पहले भी 3 बार उसने कारों के दाम बढ़ाए हैं। सबसे पहले जनवरी में कंपनी ने कारों की कीमत 34,000 रुपए तक बढ़ी थीं। अप्रैल में कुछ मॉडल्स पर 22,500 रुपए तक बढ़ाए गए थे। इसके बाद, जुलाई में कंपनी ने एक बार फिर कीमत बढ़ाईं। ऐसे में अब चौथी बार कारें महंगी हुई हैं। गाड़ियों की कीमत बढ़ने को लेकर कंपनी का कहना है कि कच्चे माल की लागत बढ़ने से गाड़ी तैयार होने का खर्च भी बढ़ रहा है। खासकर स्टील की कीमत लगातार बढ़ रही हैं। पिछले एक साल में स्टील की कीमत 50 फीसदी तक बढ़ चुकी है।

आर्थिक विचारधारा नदारद तो अर्थनीति भी असंगत

नईअ्दिल्ली। यह सच है कि 2014 के चुनाव के पहले उम्मीद बढ़ी थी कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आर्थिक सुधार होंगे। बीते सात वर्षों में यकीनन कुछ बड़े सुधार हुए हैं जिनमें दिवालिया तथा अप्रत्यक्ष कर सुधार शामिल हैं। परंतु व्यापार और औद्योगिक नीति के कुछ मोर्चों पर अहम नाकामियां भी हुई हैं। हाल के कुछ वक्तव्यों से संकेत मिला है कि सरकार स्थगित व्यापार वार्ताओं को दोबारा शुरू करना चाहती है। इसके लिए महामारी के बाद की जरूरतें और भूराजनीतिक दबाव वजह हैं। संबंधित नीति ने कई बार कई विरोधाभासी दिशाओं में रुख किया। एक ओर सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की श्रेष्ठता कायम की और यह स्पष्ट किया कि वह अर्थव्यवस्था पर नियंत्रण रखना चाहती है।

केंद्र अपने हाथों में लेना चाह रहा उप-पारेषण नेटवर्क

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

राज्यों के अंतिम छोर तक बिजली पारेषण तंत्र का कायाकल्प करने की संभावना तलाश रहे केंद्रीय बिजली मंत्रालय ने राज्यों को परामर्श जारी किया है। इसके तहत 33 किलोवाट क्षमता वाले बिजली स्टेशन बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के बजाय अब राज्य पारेषण यूटिलिटी (एसटीयू) के अंतर्गत आएंगे। मंत्रालय ने यह सुझाव भी दिया है कि अगर राज्य एसटीयू को वित्तीय सहायता देने में अक्षम रहते हैं तो 33 केवी सिस्टम को पावरग्रिड कॉर्पोरेशन की अगुआई वाले संयुक्त उपक्रम को सौंप देना चाहिए। यह कदम ऐसे समय में उठाया जा रहा है जब राज्य केंद्र पर आरोप लगा रहे हैं कि वह विद्युत अधिनियम, 2003 में संशोधन के जरिये उनके अधिकारों का उल्लंघन कर रहा है। कई राज्यों ने संसद सत्र के दौरान भी कहा था कि केंद्र राज्यों के अधिकारों का उल्लंघन कर रही है। इसमें बिजली क्षेत्र के संघीय ढांचे का तर्क दिया गया था, जिसमें उत्पादन और पारेषण केंद्र की जिम्मेदारी है तथा वितरण राज्यों का विषय है। केंद्रीय बिजली मंत्रालय के अनुसार 33 केवी सिस्टम घाटे में चल रहे हैं। 33केवी या उप-पारेषण सिस्टम केंद्र और राज्य के विद्युत ग्रिड के बीच की कड़ी है। केंद्रीय बिजली मंत्रालय की एक समिति के अनुसार 33 केवी का परिचालन घाटा 4.8 फीसदी है जबकि 66 से 220 केवी का नुकसान 1.72 से 2.39 फीसदी है।

सेंसेक्स ने 58,515 और निफ्टी ने 17,429 का नया रिकॉर्ड बनाया; रियल्टी और IT शेयर्स चमके

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

हफ्ते के पहले दिन यानी सोमवार को बाजार नई ऊंचाई पर खुले। सेंसेक्स 58,411 और निफ्टी 17,399 पर खुला। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 58,515 का और निफ्टी ने 17,429 का रिकॉर्ड स्तर छुआ और अंत में सेंसेक्स 167 अंक चढ़कर 58,297 पर और निफ्टी 54 अंक चढ़कर 17,378 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 में से 13 शेयर्स तेजी के साथ जबकि 17 शेयर्स कमजोरी के साथ बंद हुए। जिसमें ।ष्टरुटेक के शेयर 2.17 फीसदी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 1.52 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुए। वहीं इंडसइंड बैंक के शेयर में 1.13 फीसदी की गिरावट रही।

बीएसई का मार्केट कैप 255 लाख करोड़:- बीएसई पर 3,495 शेयर्स में कारोबार हुआ। जिसमें 1,695 शेयर्स बढ़त के साथ और 1,623 शेयर्स लाल निशान पर बंद हुए। इसी के साथ क्चस्श्व पर लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप 255 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है। इससे पहले शुक्रवार को सेंसेक्स 277 पॉइंट चढ़कर 58,130 पर और निफ्टी 89 पॉइंट की बढ़त के साथ 17,323 पर बंद हुआ था।

बीएसई पर 335 शेयर्स में अपर सर्किट लगा:- बीएसई पर कारोबार के दौरान 250 शेयर्स 52 हफ्ते के ऊपरी स्तर पर और 32 शेयर्स 52 हफ्ते के निचले स्तर पर कारोबार करते दिखे। इसके अलावा 381 शेयर्स में अपर सर्किट लगा तो वहीं 251 शेयर्स में लोअर सर्किट लगा

विप्रो बना निफ्टी का टॉप गेनर

बाजार को रियल्टी और IT शेयर्स का सहारा मिला। बीएसई पर निफ्टी रियल्टी इंडेक्स में लगातार 8वें दिन तेजी देखने को मिली। रियल्टी इंडेक्स 3.16 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ। वहीं IT इंडेक्स में 1.50 फीसदी की तेजी रही। 4.95 फीसदी की तेजी के साथ विप्रो का शेयर निफ्टी का टॉप गेनर बना।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

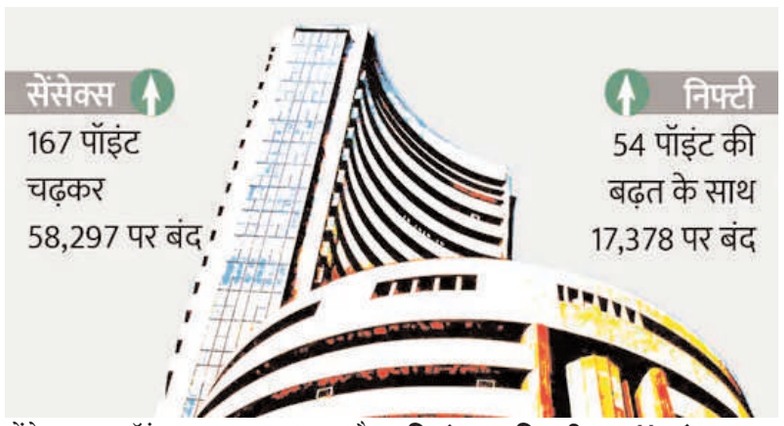

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, ट्विटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अप्रकाशित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।